भाद्रपद शुक्ल - 10 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 40 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 02-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 राहुल गांधी कर रहे हैं मतदाताओं का अपमान : रविशंकर प्रसाद

6 नकली दवाइयों का काला कारोबार

7 अभिनेता विपिन शर्मा का विदेश में बजा डंका

फर्स्ट टेक

अलास्का में हो रहा भारत-अमेरिका सैन्य अभ्यास

नयी दिल्ली, एक सितंबर (भाषा) भारत और अमेरिका के बीच अलास्का में एक से 14 सितंबर के बीच सैन्य अभ्यास हो रहा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। चौदह दिवसीय 'भारत-अमेरिका युद्ध अभ्यास 2025' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार और 'टैरिफ' नीतियों को लेकर नयी दिल्ली और वाशिंगटन के मध्य तनावपूर्ण संबंधों के बीच आयोजित हो रहा है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस अभ्यास में भारत की ओर से मद्रास रेजिमेंट के जवान भागीदारी कर रहे हैं। युद्ध अभ्यास में तोपखाने, विमानन और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों का एकीकृत उपयोग शामिल है।

यूपीआई लेनदेन की संख्या अगस्त में 20 अरब के पार

नई दिल्ली/भाषा। लोकप्रिय यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिये लेनदेन की संख्या अगस्त में 20 अरब को पार कर गई। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने आंकड़े जारी कर यह जानकारी दी। इस दौरान मूल्य के लिहाज से 24.85 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ। यह आंकड़ा जुलाई में 25.08 लाख करोड़ रुपए था। मूल्य के लिहाज से अब तक का सबसे अधिक यूपीआई लेनदेन मई में 25.14 लाख करोड़ रुपए दर्ज किया गया था। मात्रा के लिहाज से जुलाई में सबसे अधिक 19.47 अरब लेनदेन हुए थे। एनपीसीआई के अनुसार यूपीआई लेनदेन की राशि 21 प्रतिशत बढ़कर 24.85 लाख करोड़ रुपए रही। एक साल पहले इसी महीने में यह आंकड़ा 20.60 लाख करोड़ रुपए था। एनपीसीआई ने बताया कि मात्रा के लिहाज से लेनदेन अगस्त 2024 के 14.9 अरब से 34 प्रतिशत बढ़कर अगस्त 2025 में 20.01 अरब हो गया।

यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में तेल टैंकर पर मिसाइल दागी

दुबई, एक सितंबर (एपी) यमन के हूती विद्रोहियों ने सोमवार को दावा किया कि उन्होंने लाल सागर में सऊदी अरब के तट पर एक तेल टैंकर पर मिसाइल दागी है, जिससे इस अहम वैश्विक समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर उनके हमले फिर से शुरू होने की आशंका है। हूती सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सरी ने हूतियों के नियंत्रण वाले उपग्रह समाचार चैनल अल-मसिरा पर प्रसारित पहले से रिकॉर्ड संदेश में इस हमले की जिम्मेदारी ली। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस जहाज 'स्कारलेट रे' को निशाना बनाया गया, उसका संबंध इजराइल से है। जहाज के मालिकों से तत्काल संपर्क नहीं हो सका।

02-09-2025 सूर्यास्त 6:19 बजे | 03-09-2025 सूर्योदय 5:57 बजे

BSE	NSE
80,364.49 (+554.84)	24,625.05 (+198.20)

सोना	चांदी
10,637 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	131,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

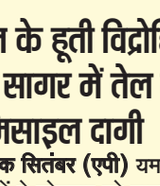

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चोर चोर...

ये आए तो इनने उनकी,
गड़बड़ की फाइल रुकवाई।
वे ना करते कभी कहीं भी,
सरेआम उनकी रुसवाई ।
ये और वो सबको ही दिखते,
इक दूजे की ही परछाई।
इनको देख समझ गए सारे,
चोर चोर मौसेरे भाई।।

आतंकवाद साझा चुनौती, इस पर दोहरा मापदंड मंजूर नहीं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तियांजिन/नयी दिल्ली 01 सितम्बर (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद , अलगाववाद और उग्रवाद को विकास की राह में बड़ी बाधा करार देते हुए कहा कि शंघाई सहयोग संगठन(एससीओ) के सभी सदस्य देशों को इस मुद्दे पर दोहरा मापदंड छोड़कर मानवता के खिलाफ इस साझा चुनौती का एकजुट होकर विरोध करने के अपने दायित्व को निभाना होगा।

मोदी ने सोमवार को यहां शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्र प्रमुखों के 25 वें शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए आतंकवाद के मुद्दे पर पूरी मजबूती के साथ भारत का पक्ष रखते हुए कहा कि सुरक्षा, शांति और स्थिरता किसी भी देश के विकास का आधार होते हैं लेकिन आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद इस राह में बड़ी चुनौतियाँ हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद सिर्फ किसी देश की सुरक्षा ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक साझा चुनौती है। कोई देश, कोई समाज, कोई नागरिक अपने आप को इससे सुरक्षित नहीं समझ सकता। इसीलिए आतंकवाद से लड़ाई में भारत ने हमेशा एकजुटता पर बल दिया है।

मोदी ने कहा कि भारत पिछले चार दशकों से निर्मम आतंकवाद का दंश झेल रहा है। कितनी ही माताओं ने अपने बच्चे खोए और कितने बच्चे अनाथ हो गए। पहलगाम आतंकवादी हमले को आतंकवाद का घिनौना चेहरा बताते हुए उन्होंने कहा, हाल ही में, हमने पहलगाम में आतंकवाद का बहुत ही घिनौना रूप देखा। इस दुःख की घड़ी में, जो मित्र देश हमारे साथ खड़े रहे, मैं उनका आभार व्यक्त करता हूँ। यह हमला केवल भारत की अंतरात्मा पर ही आघात नहीं था, यह मानवता में विश्वास रखने वाले हर देश, हर व्यक्ति को खुली चुनौती थी। आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों का नाम लिए बिना उन्होंने इन देशों को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा , ऐसे में प्रश्न उठना स्वाभाविक है: क्या कुछ देशों द्वारा आतंकवाद का खुलेआम समर्थन हमें स्वीकार्य हो सकता है? मोदी ने आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरा मापदंड अपनाने वाले देशों को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आतंकवाद का विरोध करना सभी का दायित्व है ।

भारत ने एससीओ सम्मेलन में चीन की 'बेल्ट एंड रोड' पहल का विरोध जारी रखा

तियानजिन (चीन), एक सितंबर (भाषा) भारत ने चीन की महत्वाकांक्षी 'बेल्ट एंड रोड' पहल (बीआरआई) का सोमवार को समर्थन करने से इनकार कर दिया, जिससे वह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का एकमात्र देश बन गया, जिसने इस कनेक्टिविटी परियोजना का समर्थन नहीं किया। चीन के इस बंदरगाह शहर में एससीओ शिखर सम्मेलन के अंत में जारी घोषणापत्र में कहा गया कि रूस, बेलारूस, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने चीनी कनेक्टिविटी पहल के प्रति अपने समर्थन की पुष्टि की। भारत ने किसी भी पिछली एससीओ बैठक या शिखर सम्मेलन में बीआरआई का समर्थन नहीं किया है।

नवीनतम प्रौद्योगिकी और उपकरणों का देश में विकास और निर्माण आवश्यक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसुरू, एक सितंबर (भाषा) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को इस बात पर ज़ोर दिया कि उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग वाक् और श्रवण विकलांगताओं से निपटने में अहम भूमिका निभा सकता है। उन्होंने ऐसे उपकरणों के विकास और देश में ही इनके निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि आम जनता को ये आसानी से उपलब्ध हो सकें। उन्होंने यहां 'ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग' (एआईआईएसएच) के हीरक जयंती समारोह में कहा, बोलने व सुनने संबंधी समस्याओं के लक्षणों की प्रारंभिक अवस्था में पहचान और उनके निदान के लिए विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है। समाज को जागरूक होना चाहिए और बोलने व सुनने की समस्याओं से पीड़ित लोगों के प्रति सहयोग व सहानुभूति का भाव रखना चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि एक अखिल भारतीय संस्थान के रूप में एआईआईएसएच को भारत और विदेश के संस्थानों के लिए एक आदर्श के रूप में स्थापित होने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एआईआईएसएच द्वारा स्थापित 'समावेशी थेरेपी पार्क' भारत और विदेश में एक आदर्श के रूप में कार्य कर रहा है, जिसे संचार विकारों से प्रभावित बच्चों के लिए डिजाइन किया गया है। मुर्मू ने संचार विकारों और उनकी शीघ्र पहचान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए शुरू की गई अनूठी पहल 'एआईआईएसएच आरोग्य वाणी' की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि देश का एक अग्रणी संस्थान होने के नाते एआईआईएसएच संचार विकारों से संबंधित राष्ट्रीय नीति-निर्माण में भी सलाह दे सकता है। राष्ट्रपति ने कहा, आज, प्रौद्योगिकी हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। नवीनतम तकनीकों का उपयोग वाणी और श्रवण संबंधी अक्षमताओं को दूर करने में बहुत मददगार साबित होगा। लेकिन नवीनतम प्रौद्योगिकी और उपकरणों को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए, देश में उनका विकास और निर्माण आवश्यक है। उन्होंने दोहराया, उदाहरण के लिए 'कॉक्लियर इम्प्लांट' जैसे उपकरणों को कम लागत पर उपलब्ध कराने के लिए हमें उनके निर्माण में आत्मनिर्भर बनना होगा। एआईआईएसएच जैसे संस्थानों को इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।

पुतिन से मिले मोदी, कहा

संकट में एक-दूसरे का साथ दिया है भारत और रूस ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तियांजिन/नयी दिल्ली 01 सितम्बर (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका की विभिन्न देशों पर आयात शुल्क लगाये जाने की घोषणा से दुनिया भर में मची उथल-पुथल के बीच सोमवार को यहां तियांजिन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर महत्वपूर्ण चर्चा की और कहा कि भारत तथा रूस हमेशा कठिन समय में एक दूसरे के साथ खड़े रहे हैं तथा उनकी साझेदारी दोनों देशों के साथ-साथ वैश्विक शांति, स्थिरता तथा समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है।

चीन की दो दिन की यात्रा के अंतिम दिन स्वदेश रवाना होने से पहले मोदी ने तियांजिन में शंघाई सहयोग संगठन(एससीओ) के राष्ट्र प्रमुखों के 25 वें सम्मेलन के समापन के बाद श्री पुतिन के साथ बातचीत में रूस-यूक्रेन संघर्ष के जल्द समाप्त होने की भी उम्मीद जतायी।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों नेताओं ने आर्थिक, वित्तीय तथा ऊर्जा क्षेत्रों सहित द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की और द्विपक्षीय संबंधों में मजबूती पर संतोष व्यक्त किया।

उन्होंने दोनों देशों के बीच विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता जतायी। मोदी ने दोनों देशों के बीच प्रगाढ संबंधों तथा नियमित संपर्क का उल्लेख करते हुए कहा, हम लगातार संपर्क में रहे हैं। दोनों पक्षों के बीच नियमित रूप से कई उच्च स्तरीय बैठकें भी हुई हैं। इस वर्ष दिसम्बर में हमारे 23 वें शिखर सम्मेलन के लिए 140 करोड़ भारतीय उत्सुकतापूर्वक आपका इंतजार कर रहे हैं। यह हमारी एक विशेष और सामरिक साझेदारी की गइराई और व्यापकता का परिचायक है।

मुश्किल वक्त में एक दूसरे के साथ खड़े रहने की भारत और रूस की नीतियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा , कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी भारत और रूस हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर चले हैं। हमारी करीबी सहयोग न केवल दोनों देशों के लोगों के लिए बल्कि वैश्विक शांति स्थिरता और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है।

रूस और यूक्रेन के बीच पिछले करीब तीन वर्ष से चले आ रहे संघर्ष के जल्द समाधान की उम्मीद जताते हुए उन्होंने

नेहरू परिवार ने गांधी का उपनाम चुराया : जी किशन रेड्डी

पटना, एक सितंबर (भाषा) केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोमवार को बिहार के लोगों से ''नेहरू परिवार'' को ''सबक सिखाने'' का आग्रह किया और कहा कि उन्होंने महात्मा गांधी की विरासत को भुनाने के लिए ''गांधी का उपनाम चुराया'' है।

भारतीय जनता पार्टी के नेता यहां पार्टी कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राज्य में 'वोटर अधिकार यात्रा' समाप्त की। रेड्डी ने कहा, '' मैं भारतीय जनता युवा मोर्चा के दिनों से बिहार से परिचित हूं। इस राज्य के लोग राजनीतिक रूप से जागरुक हैं। उनकी जिम्मेदारी है कि वे विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' और नेहरू परिवार को सबक सिखाएं, जिन्होंने गांधी का उपनाम तक चुरा लिया है जबकि उनका महात्मा गांधी से कोई वास्तविक संबंध नहीं था।'' लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा भाजपा पर वोट चोरी का आरोप लगाए जाने पर रेड्डी ने निशाना साधते हुए कहा, हम वोट नहीं चुराते बल्कि लोगों का दिल चुराते हैं। आगामी विधानसभा चुनाव में उन्हें यह पता चल जाएगा।''

पूर्वी अफगानिस्तान में आए शक्तिशाली भूकंप में 800 लोगों की मौत, 2,500 घायल, कई गांव तबाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काबुल, एक सितंबर (एपी) पूर्वी अफगानिस्तान में आए शक्तिशाली भूकंप में लगभग 800 लोगों की मौत हो गई तथा 2,500 से अधिक लोग घायल हो गए। तालिबान सरकार के एक प्रवक्ता यह जानकारी दी।

भूकंप के बाद परेशान अफगानी लोग रात के अंधेरे में भी मलबे में अपने लापता प्रियजनों की तलाश करते रहे।

पड़ोसी नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर के समीप कुनार प्रांत के कई शहरों में रविवार देर रात आए 6.0 तीव्रता के भूकंप से बड़े पैमाने पर तबाही मची है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, रात 11:47 बजे आए भूकंप का केंद्र नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर से 27 किलोमीटर दूर पूर्व-उत्तरपूर्व में था। भूकंप का केंद्र जमीन से आठ किलोमीटर की गहराई में था। कम गहराई वाले भूकंप ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। भूकंप के बाद भी कई झटके महसूस किए गए।

फुटेज में दिखाया गया कि बचावकर्मी घायल लोगों को ढही हुई इमारतों से निकाल कर स्ट्रेचर की मदद से हेलिकॉप्टरों में ले जा रहे हैं, जबकि लोग हाथों से मलबे को हटाने में लगे हुए हैं।

तालिबान सरकार के प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि मरने वालों की संख्या बढ़कर 800 हो गई है और 2,500 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि ज़्यादातर लोग कुनार प्रांत में हताहत हुए हैं।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॥ जय बाबा री ॥

हार्दिक आमंत्रण

अवतारी बाबा श्री रामदेवजी का 62 वाँ वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष में

भव्य रथ यात्रा दि. 02.09.2025 मंगलवार रात्रि 7 बजे से 10 बजे तक

आप सभी भक्तों से सादर निवेदन है कि आप सपरिवार ईष्ट-मित्रों सहित शोभा यात्रा में समय पर सम्मिलित होकर महोत्सव को सफल बनाने में सहयोग प्रदान कर हमें उत्साहित करें।

वरघोड़ा श्री रामदेव मन्दिर से प्रारम्भ होकर मिन्ट स्ट्रीट, अदियाप्पा, गोविन्दाप्पा, एन.एस.सी बोस रोड़, नेनियाप्पा, रासाप्पा होते हुए मिन्ट स्ट्रीट तक।

निवेदक :

श्री रामदेव भवन ट्रस्ट (रजि.)

श्री धनराज C. शाह चेयरमेन | श्री रेखाराम G. पटेल मेनेजिंग ट्रस्टी | श्री जसराज सिंघवी कोषाध्यक्ष

ट्रस्टी : श्री जोईताराम P. पुरोहित, श्री चिमनलाल सिंधी, श्री शान्तिलाल B. पुरोहित, श्री स्वराज T. पुरोहित, श्री छोगालाल H. पुरोहित, श्री वेंकटेश R. दाहिमा

श्री रामदेव मण्डल (रजि.)

श्री मंगलसिंह पुरोहित अध्यक्ष | श्री साँवलदास G. वैष्णव सचिव

श्री रामदेव भवन
नं. 28, एकाम्ब्रेश्वर अग्राहरम स्ट्रीट, चेन्नई
फो. 044-2535 0382

श्री रामदेव मन्दिर
नं. 44, हनुमन्तरायन कोईल स्ट्रीट, चेन्नई
फो. 044-2535 1344

श्री रामदेव अस्पताल शाहजी भवरीबाई हरिकिशन रामदेव हॉस्पिटल
नं. 5, मंगप्पन स्ट्रीट, एलिफेंट गेट चेन्नई - 79 फो. 044-25293725 अखण्ड जागरण रात्रि 11 बजे से

सरकार मराठा आंदोलन पर न्यायालय के निर्देशों को लागू करेगी : देवेन्द्र फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि प्रशासन मराठा आरक्षण के लिए कार्यकर्ता मनोज जरांगे के नेतृत्व में जारी प्रदर्शन पर मुंबई उच्च न्यायालय के निर्देशों को लागू करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार मराठा आरक्षण के मुद्दे के समाधान के लिए संभावित कानूनी विकल्पों पर विचार कर रही है।

मुख्यमंत्री का यह आश्वासन उच्च न्यायालय द्वारा यह टिप्पणी किए जाने के कुछ ही देर बाद आया कि जरांगे और उनके समर्थकों ने प्रथम दृष्टया शर्तों का उल्लंघन किया है। न्यायमूर्ति रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ ने कहा कि चूंकि प्रदर्शनकारियों के पास आंदोलन जारी रखने के लिए वैध अनुमति नहीं है, इसलिए वह उम्मीद करती है कि राज्य सरकार उचित कदम उठाकर कानून में निर्धारित प्रक्रिया का पालन करेगी।

अदालत ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि अब कोई भी प्रदर्शनकारी शहर में प्रवेश न कर सके, जैसा कि जरांगे ने दावा किया है। फडणवीस ने पुणे में संवाददाताओं से कहा, सरकार उच्च न्यायालय के निर्देशों को लागू करेगी। उन्होंने इस आरोप को खारिज कर दिया कि कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा, (मराठा प्रदर्शनों से संबंधित) छिटपुट घटनाएं हुई हैं, जिन्हें पुलिस ने कुछ

ही देर में संभाल लिया। उन्होंने कहा कि अदालत ने टिप्पणी की है कि मुंबई में विरोध प्रदर्शन के लिए दी गई अनुमति की शर्तों का कुछ उल्लंघन हुआ है। फडणवीस ने कहा, मैं यात्रा कर रहा था, इसलिए मुझे ठीक से नहीं पता कि अदालत ने क्या टिप्पणी की। मुझे जानकारी मिली है कि अदालत ने पाया है कि मुंबई में विरोध प्रदर्शन के लिए दी गई अनुमतियों के संबंध में कुछ उल्लंघन हुए हैं। मुंबई की सड़कों पर जो कुछ भी हो रहा है, अदालत ने उस पर नाराजगी व्यक्त की है।

फणवीस ने विरोध प्रदर्शन के समाधान के संदर्भ में कहा, बातचीत माइक पर नहीं हो सकती, हमें पता होना चाहिए कि किससे बात करनी है। हम अड़े नहीं हैं। उन्होंने कहा कि आरक्षण आंदोलन से उत्पन्न स्थिति को लेकर आज सुबह उनकी अध्यक्षता में उपमुख्यमंत्रियों अजित पवार और एकनाथ शिंदे के साथ बैठक में प्रदर्शनकारियों की मांगों के संबंध में कानूनी विकल्पों पर चर्चा की गई। फडणवीस ने कहा, हमने सभी कानूनी विकल्पों पर विचार-विमर्श किया और कानूनी समाधान तलाशने के लिए काम कर रहे हैं, जो अदालत में टिक सके। जरांगे मराठा आरक्षण की मांग को लेकर 29 अगस्त से दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में अनशन कर रहे हैं। वह मराठों के लिए 'कुनबी' का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं ताकि समुदाय को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के तहत शैक्षणिक संस्थाओं और सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ मिल सके। फडणवीस ने प्रदर्शनकारियों के खाने-पीने की सामग्री की आपूर्ति रोकने के लिए आजाद मैदान के पास की दुकानों को बंद करने का आदेश देने के दावों को भी सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, आंदोलनकारियों द्वारा सड़कों पर मचाए गए हंगामे के कारण दुकानें बंद रहीं। दुकानदारों को अपने परिसर खोलने के लिए कहा गया है और पुलिस की मौजूदगी का आश्वासन दिया गया है।

शाह ने जम्मू में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया, पीड़ितों को राहत का आश्वासन दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को बाढ़ प्रभावित जम्मू का दौरा किया और कुछ पीड़ितों से मुलाकात कर उन्हें राहत एवं पुनर्वास मुहैया कराए जाने का आश्वासन दिया।

अधिकारियों ने बताया कि शाह के साथ उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला एवं जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा भी थे और उन्हें जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने स्थिति की जानकारी दी। शाह बाढ़ की स्थिति और राहत कार्यों का आकलन करने के लिए रविवार रात जम्मू पहुंचे थे। राजभवन में आगंतुकों से मिलने के बाद वह स्थिति का प्रत्यक्ष जायजा लेने के लिए जम्मू हवाई अड्डे के पास स्थित एवं बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित गांवों में से एक मांगूचक के लिए रवाना हुए। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत की और उन्हें उचित राहत एवं पुनर्वास मुहैया कराए जाने का आश्वासन दिया। शाह बिक्रम चौक के पास तवी पुल पर रुके और नदी के किनारे हुए नुकसान का निरीक्षण किया। मांगूचक निवासी भान सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, गृह मंत्री मेरे घर आए और राहत का आश्वासन दिया... पिछले सप्ताह आई बाढ़ के बाद मेरे घर में कुछ भी नहीं बचा है। अधेड़ उम्र के सिंह ने कहा कि उन्होंने जिंदगी में ऐसी बाढ़ कभी नहीं देखी। एक अन्य निवासी चैन दास ने कहा कि बाढ़ में पूरा गांव डूब गया लेकिन वह भाग्यशाली थे कि वह बच गए। उन्होंने कहा, हमें खुशी है कि गृह मंत्री हमारे घर आए और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्राधिकारी पानी निकलवा देंगे और ऐसे कदम उठाएंगे कि बाढ़ दोबारा न आए।

वाहनों की बिक्री अगस्त में पड़ी सुस्त, जीएसटी कटौती की आस में मांग घटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में वाहनों की बिक्री अगस्त में सुस्त रही। मांग घटने की वजह से मारुति सुजुकी, हुंदे, महिंद्रा और टाटा मोटर्स जैसी प्रमुख वाहन विनिर्माता कंपनियों की थोक बिक्री में खासी गिरावट आई है। कई संभावित खरीदारों के जीएसटी कर दरों में संशोधन का इंतजार करने और अपनी खरीदारी को टाल देने से वाहन बिक्री में यह गिरावट आई है।

देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसई) के यात्री वाहनों की पिछले महीने घरेलू बाजार में थोक बिक्री आठ प्रतिशत गिरकर 1,31,278 इकाई रही जबकि एक साल पहले इसी महीने में 1,43,075 वाहनों की बिक्री हुई थी। मारुति की छोटी कारों की बिक्री साल भर पहले के 10,648 वाहनों से घटकर 6,853 वाहन रह गई। हालांकि, इसकी कॉम्पैक्ट कारों की बिक्री एक साल पहले के 58,051 वाहनों से बढ़कर 59,597 वाहन हो गई। मारुति के यूटिलिटी वाहनों की बिक्री पिछले महीने 14 प्रतिशत घटकर 54,043 इकाई रही जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 62,684 इकाई थी। मारुति सुजुकी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने कहा कि जीएसटी सुधार का वाहन उद्योग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जहां तक अगस्त में बिक्री में आई गिरावट का सवाल है तो कंपनी ने इस महीने डीलरों तक अपने वाहन वितरण को नियंत्रित किया है।

बनर्जी ने बताया कि अगस्त में वाहन उद्योग की थोक बिक्री में सालाना आधार पर सात प्रतिशत की गिरावट आई है लेकिन जीएसटी दरों में कटौती की घोषणा होते ही परिदृश्य पूरी तरह बदल जाएगा।

मारुति सुजुकी के पास लगभग 1.5 लाख वाहनों की बुकिंग है और उसके पास त्योहारों के मौसम में बिक्री के लिए 48-50 दिन का वाहन स्टॉक मौजूद है। हुंदे मोटर इंडिया की घरेलू बिक्री पिछले महीने 11 प्रतिशत घटकर 44,001 इकाई रह गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 49,525 इकाई थी। कंपनी के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) तरुण गर्ग ने कहा, हमारा लक्ष्य भारत को उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक रणनीतिक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना और दक्षिण कोरिया के बाहर हुंदै का सबसे बड़ा निर्यात केंद्र बनाना है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने कहा कि पिछले महीने घरेलू बाजार में उसके यूटिलिटी वाहनों की बिक्री 39,399 इकाई रही, जो एक साल पहले इसी अवधि में 43,277 इकाई से नौ प्रतिशत कम है। एमएंडएम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (वाहन खंड) नलिनीकांत गोलागुंटा ने कहा, जीएसटी दर की अंतिम घोषणा करीब आने के साथ हमने जानबूझकर अपने डीलरों के पास मौजूद स्टॉक को कम करने के लिए थोक सौदे कम करने का फैसला किया है। टाटा मोटर्स ने भी पिछले महीने डीलरों को भेजे जाने वाले यात्री वाहनों में सात प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। कंपनी ने पिछले महीने 41,001 वाहन बेचे जबकि अगस्त 2024 में यह आंकड़ा 44,142 वाहन था।

पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ ने सरकारी आवास खाली किया, दक्षिण दिल्ली स्थित फार्महाउस में गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पद से इस्तीफा देने के छह हफ्ते बाद, अपने सरकारी आवास से दक्षिणी दिल्ली के छतरपुर इलाके में स्थित एक निजी फार्महाउस में चले गए। छतरपुर के गदाईपुर इलाके में स्थित यह फार्महाउस इनेलो (इंडियन नेशनल लोकदल) नेता अभय चौटाला का है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि धनखड़ अंतरिम व्यवस्था के तहत इस निजी फार्महाउस में तब तक रहेंगे जब तक उन्हें टाइप-8 का सरकारी आवास आवंटित नहीं कर दिया जाता, जिसके वह पूर्व उपराष्ट्रपति होने के नाते हकदार हैं।

धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए संसद के मानसून सत्र के पहले दिन 21 जुलाई को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था और तब से वह जनता की नजरों से दूर हैं। वह अब तक संसद भवन के पास उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में रह रहे थे। धनखड़ के करीबी सूत्रों ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं, टेबल टेनिस खेल रहे हैं और योग का अभ्यास कर रहे हैं। उनके उत्तराधिकारी के चयन के लिए नौ सितंबर को चुनाव होना है।

उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार और महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन का मुकाबला विपक्ष के उम्मीदवार और उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी के बीच है। उपराष्ट्रपति के रूप में धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 को समाप्त होना था।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम

मेंढर/जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के मेंढर सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भारतीय सेना के जवानों ने आतंकवादियों द्वारा इलाके में घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

घुसपैठ का यह प्रयास ऐसे समय में हुआ है जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पिछले महीने हुई भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ के बाद हुई मौतों और तबाही का आकलन करने के लिए शीतकालीन राजधानी जम्मू के दौरे पर आए थे।

सेना की व्हाइट नाइट कोर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, तड़के करीब साढ़े पांच बजे बालाकोट के सामान्य इलाके में नियंत्रण रेखा के पास संदिग्ध हलचल भांपकर सतर्क हुए व्हाइट नाइट कोर के जवानों ने घुसपैठ के प्रयास को रोकने के लिए तत्काल गोलीबारी शुरू कर दी।

कांग्रेस ने इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश किया : दिलीप सैकिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की असम इकाई के अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कांग्रेस और वामपंथी दलों पर देश के इतिहास और सभ्यता की विकृत व्याख्या प्रस्तुत करके लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने यहां पार्टी के मुखपत्र के मासिक अंक का विमोचन करते हुए कहा कि भाजपा भारत के अतीत और संस्कृति की सही समझ प्रस्तुत करके बौद्धिक पुनर्जागरण लाने का प्रयास कर रही है।

सैकिया ने दावा किया, बौद्धिक स्तर पर कांग्रेस और वामपंथी ताकतों ने देश के इतिहास, सभ्यता और संस्कृति की विकृत व्याख्या की और देश के लोगों को लंबे समय तक गुमराह किया। उन्होंने कहा, इसके विपरीत, भाजपा ने भारत के प्राचीन और गौरवशाली साहित्य और संस्कृति की सच्ची व्याख्या प्रस्तुत करके समाज में बौद्धिक पुनर्जागरण लाने का निरंतर प्रयास किया है।

राज्य पार्टी प्रमुख ने कहा कि अपने नौवें वर्ष में भाजपा का मुखपत्र पार्टी के आदर्शों को आम लोगों तक पहुंचाने का माध्यम बन रहा है।

सैकिया ने सभी से राज्य में सकारात्मक विकास में योगदान देने का आग्रह किया ताकि इसे मुखपत्र में शामिल किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह प्रकाशन पार्टी की राज्य इकाई की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से भी उपलब्ध कराया जाएगा।

स्पाइसजेट की उड़ान में बीच हवा में आई तकनीकी खामी, पुणे में आपात स्थिति में उतरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। पुणे से दिल्ली आ रहे स्पाइसजेट के एक विमान में बीच हवा में तकनीकी खराबी आ गई जिस वजह से इसे वापस लौटना पड़ा और फिर इसे पूरी तरह से आपातकालीन स्थिति में उतारा गया। एक सूत्र ने यह जानकारी दी।

स्पाइसजेट ने एक बयान में कहा कि विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और यात्रियों को सामान्य तरीके से विमान से उतारा गया।

सूत्र ने कहा, स्पाइसजेट बोइंग 737 विमान को तकनीकी खराबी के कारण बीच रास्ते से पुणे हवाई अड्डे वापस लौटना पड़ा। दिल्ली के लिए उड़ान भरने के एक घंटे बाद विमान को पूरी तरह से आपातकालीन स्थिति में वापस उतारा गया।

इंडिया मोबाइल कांग्रेस समुदायों, 5जी और 6जी पर केंद्रित होगा: सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को कहा कि आगामी इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 5जी और 6जी तकनीकों पर केंद्रित होगा। उन्होंने कहा कि इसमें किसानों, एमएसएमई और स्कूली बच्चों जैसे समुदायों को जोड़ने के तरीकों पर भी चर्चा होगी।

सिंधिया ने एआई आधारित 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 ऐप' जारी करते हुए कहा कि 8-11 अक्टूबर को होने वाले आईएमसी में 115 देशों के लगभग 1.5 लाख प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, इस मंच (आईएमसी) पर हम सिर्फ 5जी, 6जी, एआई, आईओटी, एम2एम आदि पर चर्चा नहीं करेंगे, बल्कि यह एक ऐसा मंच भी है, जहां हम किसान, स्कूली बच्चे, एमएसएमई को जोड़ने पर भी चर्चा करेंगे। इस बात पर भी चर्चा होगी कि कैसे समाज को नए अवसर और नई उम्मीदें मिलेंगी।सिंधिया ने कहा कि केंद्र के 30 मंत्रालय आईएमसी 2025 में भाग लेंगे। मंत्री ने कहा, आज ऐप जारी होने के साथ हम नवाचार लाने और आईएमसी के सभी दर्शकों तथा प्रतिभागियों के लिए अनुभव को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहे हैं। इस वर्ष हमारा नजरिया नवाचार और बदलाव का है, क्योंकि प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भरता को महत्व दिया है... और 2047 तक भारत को विजय की ओर अग्रसर करना है।

न्यायालय ने 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की बिक्री के खिलाफ जनहित याचिका खारिज की

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उस जनहित याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें देश भर में 20 प्रतिशत इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी-20) बेचने की शुरुआत को चुनौती दी गई थी।

याचिका में आरोप लगाया गया था कि लाखों वाहन चालक ऐसे ईंधन का उपयोग करने को मजबूर हैं, जिसे उनके वाहनों के लिए डिजाइन नहीं किया गया है।

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ अधिवक्ता अक्षय मल्होत्रा द्वारा दायर याचिका में उठाए गए तर्कों से सहमत नहीं हुई। याचिका में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय को सभी ईंधन स्टेशनों या पेट्रोल पंप पर इथेनॉल-मुक्त पेट्रोल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देने की मांग की गई थी।

केंद्र की ओर से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने याचिका का विरोध करते हुए दावा किया कि ई20 ईंधन गन्ना किसानों के लिए फायदेमंद है। उन्होंने कहा, मैं जिम्मेदारी के साथ यह बात कह रहा हूं कि याचिकाकर्ता (मल्होत्रा) के तो केवल नाम का इस्तेमाल हो रहा है। इसके पीछे एक लॉबी है। सरकार ने प्रत्येक चीज पर विचार किया है। इसके बाद पीठ ने याचिका खारिज कर दी। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शादान फरासत ने कहा कि पेट्रोल पंपों पर अब केवल ईबीपी-20 ही उपलब्ध होता प्रतीत हो रहा है, वह भी बिना किसी सूचना के। ईबीपी-20 इसके अनुरूप निर्मित वाहनों के लिए समस्या नहीं है।

भारत ने नियमों का पालन किया, रूसी तेल से लाभ नहीं उठाया: हरदीप पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि भारत ने रूसी तेल खरीदने में किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं किया है बल्कि यूक्रेन युद्ध के बाद से उसके ऊर्जा व्यापार ने वैश्विक बाजारों को स्थिर करने एवं कीमतों को काबू में रखने में मदद की है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो की रूसी तेल खरीद को लेकर भारत पर की गई टिप्पणी को खारिज करते हुए पुरी ने यह बात कही। नवारो ने भारत पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की 'युद्ध मशीन' को वित्तपोषित करने का आरोप लगाया। समाचार पत्र 'द हिंदू' के लिए लेख में पुरी ने मुनाफाखोरी के दावों को खारिज करते हुए कहा कि भारत लंबे समय से और फरवरी 2022 में रूस के यूक्रेन पर आक्रमण से बहुत पहले से पेट्रोलियम उत्पादों का दुनिया का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक रहा है। इसके निर्यात की मात्रा एवं मुनाफे मोटे तौर पर समान रहे हैं। उन्होंने नवारो का प्रत्यक्ष तौर पर नाम लिए बिना लिखा कि कुछ आलोचकों का आरोप है कि रूसी तेल को खरीद करके 'युद्ध मशीन' को वित्तपोषित करने वाला बन गया है। यह पूरी तरह से गलत एवं असत्य है। यूक्रेन युद्ध के बाद भारत का रूसी तेल आयात कुल कच्चे तेल की खपत का एक प्रतिशत से बढ़कर करीब 40 प्रतिशत हो गया। इसकी प्रमुख वजह यह है कि पश्चिमी देशों ने रूस को युद्ध के लिए दंडित करने के लिए उस पर प्रतिबंध लगाए और इससे भारत को खरीद में भारी छूट दी गई। इस कदम से भारत के लिए सस्ती ऊर्जा तो सुनिश्चित हुई लेकिन अमेरिकी प्रशासन ने इसकी आलोचना की है। अमेरिका का आरोप है कि भारत, रूसी कच्चे तेल को परिष्कृत करके और यूरोप सहित अन्य देशों को निर्यात करके मुनाफा कमा रहा है।

जम्मू, पंजाब और हिमाचल में 5,000 नागरिकों को बचाया गया : सेना की पश्चिमी कमान

चंडीगढ़/भाषा। बाढ़ से प्रभावित जम्मू, पंजाब और हिमाचल प्रदेश में 5,000 से अधिक नागरिकों को बचाया गया और 21 टन राहत सामग्री प्रदान की गई। सेना ने सोमवार को यह जानकारी दी।

भारतीय सेना की पश्चिमी कमान बाढ़ प्रभावित राज्यों में व्यापक मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) अभियान संचालित कर रही है। एक अधिकारी ने बताया कि तत्काल राहत पहुंचाने के लिए सेना विमानन और भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर सहित कुल 47 टुकड़ियों को सक्रिय किया गया है। अधिकारी ने कहा कि साथ ही इंजीनियर, चिकित्सा और संचार संसाधनों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। मेजर जनरल पुनीत आहूजा और कर्नल इकबाल सिंह अरोड़ा द्वारा पंचकूला के चंडीमंदिर स्थित पश्चिमी कमान मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी गई।

सेना ने 16 अगस्त को अभियान शुरू किया था। कर्नल अरोड़ा ने कहा, जवानों, अभियंताओं, चिकित्सा टुकड़ियों, विमानन परिसंपत्तियों को जिंदगियों की रक्षा करने और आवश्यक सेवाओं को बहाल करने के लिए अल्प सूचना पर जुटाया गया है।

अर्थव्यवस्था को लेकर 'अतार्किक उत्साह, ट्रंप टैरिफ का 'झटका' अभी नहीं दिखा : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को अप्रैल-जून 2025 के जीडीपी के आंकड़ों को लेकर सरकार की आलोचना की और कहा कि इनसे 'अतार्किक उत्साह' पैदा हुआ है और इनमें अभी तो 'ट्रंप का टैरिफ का झटका' दिखाई नहीं दे रहा है जिसके असल परिणाम दूसरी तिमाही में दिखाई देने लगेंगे।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि टैरिफ से बचने के लिए निर्यातकों ने पहले से ही अमेरिका को अतिरिक्त निर्यात (फ्रंट लोडिंग) कर दिया था, जिससे निर्यात वृद्धि और जीडीपी के मुख्य आंकड़ों में वृद्धि हुई है। रमेश ने 'एक्स' पर कहा, अप्रैल-जून 2025 की अवधि के जीडीपी आंकड़े अतार्किक उत्साह का कारण बने हैं, लेकिन इनमें कुछ स्पष्ट विरोधाभास भी हैं जिन पर एक जानेमाने बैंक की रिपोर्ट ने सवाल उठाए हैं और जिन्हें नंजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने दावा किया, शहरी खपत अब भी काफी कमजोर है और ग्रामीण खपत संरचनात्मक बाधाओं का सामना कर रही है। रमेश ने कहा कि नाममात्र जीडीपी वृद्धि दर (यानी मुद्रास्फीति को समायोजित किए बिना) अब भी धीमी है और वास्तव में, जनवरी-मार्च 2025 तिमाही की तुलना में काफी कम है। उन्होंने कहा, उपभोग, निवेश और व्यापार जीडीपी वृद्धि के मुख्य निर्धारक हैं। लेकिन आश्चर्यजनक ढंग से तिमाही वृद्धि दर का पूरा 1.8 प्रतिशत अंक इन तीन निर्धारकों से नहीं समझाया जा सकता। यह विसंगति बहुत बड़ी है और इसे स्पष्ट करने की आवश्यकता है। रमेश ने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में बिक्री वृद्धि, मुनाफे की वृद्धि के विपरीत, लगातार धीमी हो रही है। कांग्रेस नेता ने कहा, ट्रंप टैरिफ का झटका इस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में दिखाई नहीं देता। दरअसल टैरिफ से बचने के लिए निर्यातकों ने पहले से ही अमेरिका को अतिरिक्त निर्यात (फ्रंट लोडिंग) कर दिया था, जिससे निर्यात वृद्धि और जीडीपी के मुख्य आंकड़ों में वृद्धि हुई है। रमेश ने कहा कि टैरिफ के वास्तविक प्रभाव निश्चित रूप से दूसरी तिमाही से दिखने शुरू हो जाएंगे। भारत की अर्थव्यवस्था अप्रैल-जून में अपेक्षा से अधिक 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जो पांच तिमाहियों में सबसे तेज़ गति की थी। अब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर टैरिफ लगाए, जिससे कपड़ा जैसे प्रमुख निर्यातों के लिए खतरा पैदा हो रहा है।

बैंक ऑफ बड़ौदा और आईवीए टेक्नोस प्राइवेट लि. ने किया समझौता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। बैंक ऑफ बड़ौदा कोयंबटूर क्षेत्र (चेन्नई अंचल) ने संस्थान के कर्मचारियों को कॉर्पोरेट वेतन पैकेज प्रदान करने के लिए मेसर्स आईवीए टेक्नोस प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस कार्यक्रम में कार्यकारी निदेशक संजय विनायक मुदलियार, चेन्नई अंचल के आंचलिक प्रमुख टीएन सुरेश, मध्य-कॉर्पोरेट क्लस्टर, दक्षिण के महाप्रबंधक एवं प्रमुख टीएमएल बालाजी और कोयंबटूर के क्षेत्रीय प्रमुख आर. कमलाकन्नन उपस्थिति रहे। यह सहयोग कॉर्पोरेट साझेदारियों को सुदृढ़ करने और ग्राहकों को मूल्य-आधारित बैंकिंग समाधान प्रदान करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

शिक्षा ही देश के विकास व समाज के नवनिर्माण की बुनियाद है : मेयर सुजाता

भारत कालेज ऑफ एजुकेशन संस्थान का दीक्षांत समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेलूर। यहां 1 सितम्बर को वेलूर के कोसापेट स्थित एक निजी सभा भवन में भारत कालेज ऑफ एजुकेशन संस्थान का भव्य दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। समारोह का शुभारंभ मेयर श्रीमती सुजाता आनंद कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि समाज को साक्षर कर विकसित करने की जिम्मेदारी एक शिक्षक की है। विद्यार्थियों को समुचित शिक्षा प्रदान कर समाज व देश के विकास में योगदान देना शिक्षकों का दायित्व है। शिक्षा व्यवस्था के सुधार में शिक्षकों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि शिक्षा ही देश के विकास व समाज के नवनिर्माण की बुनियाद है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि मेयर सुजाता आनंद कुमार ने बी.एड. उत्तीर्ण 90 छात्राओं को डिग्रियां प्रदान कीं। समारोह में कालेज संस्थापक व चेयरमैन डा. सी. इंद्रनाथ, अध्यक्ष फिलोमिना, वाइस चेयरमैन डा. आई. संतोष, संयोजक शशि रेखा, प्रिंसिपल जयालक्ष्मी सहित कालेज के शिक्षकगण मौजूद रहे।

'सनातन धर्म' टिप्पणी

न्यायालय 2026 में उदयनिधि स्टालिन की याचिका पर सुनवाई करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन की उस याचिका पर 2026 में सुनवाई करेगा जिसमें उन्होंने 2023 में ''सनातन धर्म को खत्म करने'' संबंधी अपने बयान पर दर्ज सभी प्राथमिकियों और शिकायतों को एक साथ संलग्न करने एवं मामलों को एक स्थान पर स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था।

स्टालिन की याचिका पर न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सुनवाई की। याचिकाकर्ता (स्टालिन) की पैरवी करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने बताया कि स्टालिन के खिलाफ कई प्राथमिकी और शिकायतें दर्ज की गई हैं।

रोहतगी ने कहा, ''इस न्यायालय ने पहले भी कई मामलों में दो काम किए हैं।'' न्यायमूर्ति नाथ ने इसके जवाब में कहा, ''इस न्यायालय ने पहले भी कई काम किए हैं। इसका मतलब यह नहीं कि हमें भी वही काम करना चाहिए।'' जब रोहतगी ने मामले को 2026 के लिए स्थगित करने का आग्रह किया तो पीठ ने इसकी अनुमति दे दी।

न्यायालय ने छह मार्च को स्टालिन के विवादास्पद ''सनातन धर्म को खत्म करो'' वाले बयान पर न्यायालय की अनुमति के बिना कोई नयी प्राथमिकी दर्ज नहीं करने का आदेश दिया था।

उच्चतम न्यायालय स्टालिन की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें द्रमुक नेता ने प्राथमिकियों को संलग्न करने और शिकायतों को भविष्य की कार्यवाही के लिए एक स्थान पर स्थानांतरित किए जाने का अनुरोध किया था। न्यायालय ने कहा, ''हम यह निर्देश देना भी उचित समझते हैं कि इस न्यायालय की अनुमति के बिना आगे कोई मामला दर्ज नहीं किया जाएगा और न ही आगे बढ़ाया जाएगा।''

स्टालिन ने सितंबर 2023 में एक सम्मेलन में कथित तौर पर कहा था कि सनातन धर्म सामाजिक न्याय और समानता के खिलाफ है और इसको ''खत्म'' किया जाना चाहिए। उन्होंने इसकी तुलना कोरोनावायरस, मलेरिया और डेंगू से करते हुए इसे ''नष्ट'' करने का आह्वान किया था।

टीपीएल 3.0 टूर्नामेंट में इंडियन बैंक बना विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तिरुवल्लूर प्रीमियम लीग द्वारा आयोजित नुओ क्लिनिक टीपीएल 3.0 का ग्रैंड फिनाले एसडीएटी मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम एग्मोर में आयोजित किया गया। जिसमें ब्लॉकबस्टर फाइनल में इंडियन बैंक बनाम इंडियन ओवरसीज बैंक का मुकाबला हुआ।

टीपीएल 3.0 हॉकी फाइनल्स में इंडियन बैंक ने इंडियन ओवरसीज बैंक को 4 गोल से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। वर्ष 2025 की लीग 11 से 31 अगस्त तक आयोजित की गई, जिसमें 10 टीमों ने रोमांचक पूल मुकाबले, सुपर सिक्स ड्रामा और वीडियो रेफरल के माध्यम से खेलों में भाग लिया। समापन समारोह के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अल्पसंख्यक कल्याण और एनआरटी कल्याण मंत्री एस.एम. नासर, विधायक – एग्मोर आई. परंथमेन हॉकी तिरुवल्लूर टीम के अध्यक्ष डॉ. प्रकाश अय्यादुरई, पद्मश्री ओलंपियन वी. भास्करन, ओलंपियन मोहम्मद रियाज और भारतीय अंतर्राष्ट्रीय कोच थिरुमालवलवन एफआईएच अधिकारी मोहम्मद मुनीर तथा भारतीय कोच सीआर कुमार उपस्थित थे। फाइनल में विजेता बने इंडियन बैंक को पचास हजार और चैंपियंस ट्रॉफी तथा उपविजेता रहे इंडियन ओवरसीज बैंक को तीस हजार रुपए एवं उपविजेता की ट्रॉफी प्रदान किया गया।

आरटीई अधिनियम के तहत प्रतिपूर्ति संबंधी आदेश के खिलाफ तमिलनाडु की याचिका पर न्यायालय करेगा सुनवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नईदिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को तमिलनाडु सरकार की उस याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति व्यक्त की, जिसमें बच्चों के नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत गैर-सहायता प्राप्त निजी स्कूलों को प्रतिपूर्ति करने के मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई है।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने केंद्र और उच्च न्यायालय के समक्ष याचिकाकर्ता से जवाब मांगा और मामले की सुनवाई चार सप्ताह बाद निर्धारित की।

उच्च न्यायालय ने 10 जून को शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए आरटीई अधिनियम के तहत प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने के वास्ते अधिकारियों को निर्देश देने की याचिकाकर्ता की याचिका पर फैसला सुनाया। उसने कहा कि अधिनियम की धारा 7(5) के तहत राज्य सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि वह अधिनियम के प्रावधानों के कार्यान्वयन के लिए धन उपलब्ध कराए। अदालत ने कहा, इसलिए, राज्य सरकार को निर्देश दिया जाता है कि वह कानून में निर्धारित समय-सीमा का पालन करते हुए प्रतिपूर्ति करे।

उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को निजी अनुदान रहित स्कूलों को पुनर्भुगतान करने का अपरिहार्य दायित्व सौंपा और कहा कि केंद्र सरकार से धन न मिलने को इस वैधानिक दायित्व से बचने का बहाना नहीं बनाया जा सकता। उच्च न्यायालय ने केन्द्र से अधिनियम के तहत उसके दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

चेन्नई एमईएस के नए प्रमुख अजय कुमार जैन ने कार्यभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वरिष्ठ भारतीय इंजीनियरिंग सेवा (आईईएस) अधिकारी अजय कुमार जैन ने चेन्नई में सैन्य इंजीनियरिंग सेवा (एमईएस) के अतिरिक्त महानिदेशक (परियोजनाएँ) का पदभार ग्रहण किया है। 1987 बैच के खएड अधिकारी, जैन ने एमईएस में विभिन्न पदों पर कार्य किया है।

नई दिल्ली में मुख्य अभियंता के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, वे थल सेना भवन और 1000 बिस्तरों वाले बेस अस्पताल सहित सामरिक रक्षा अवसंरचना के निर्माण के लिए ज़िम्मेदार थे। चेन्नई स्थित अतिरिक्त महानिदेशक (परियोजनाएँ) का मुख्यालय देश के दक्षिणी भाग में सैन्य क्षेत्र में सभी इंजीनियरिंग संबंधी सेवाओं का क्रियान्वयन और निगरानी करता है, साथ ही देश भर में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीओडीओ) की परियोजनाओं के साथ-साथ भारतीय तटरक्षक बल के पूर्वी और पश्चिमी समुद्र तट पर भी कार्य करता है।

दिल्ली से फरार फिटनेस ट्रेनर पुडुचेरी से गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी/नई दिल्ली। दिल्ली में एक जिम के मालिक पर हमला करने और सीसीटीवी सबूत नष्ट करने के आरोप में 38 वर्षीय एक फिटनेस ट्रेनर को पुडुचेरी के एक होटल से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि राजेंद्र नगर पुलिस थाने में एक स्थानीय जिम मालिक ने 13 अगस्त को शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके ग्राहक विकास सोलंकी ने पांच अगस्त को उनके साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी थी।

पुलिस उपायुक्त (मध्य) निधिन वलसन ने कहा, 11 अगस्त को सोलंकी, राहुल उर्फ पंकज चौधरी और कई साथियों के साथ पिस्तौल, रिवॉल्वर, रॉड और डंडों से लैस होकर शिकायतकर्ता के जिम में घुस आया था, उसने उस पर हमला किया और डीवीआर चुराकर सीसीटीवी सबूत नष्ट करने का प्रयास किया। सोलंकी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था जबकि बाकी लोग छिपे हुए थे।

पुलिस ने दिल्ली, बेंगलूरु और पुडुचेरी में व्यापक जांच की और दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में कई स्थानों पर छापेमारी की, लेकिन आरोपी लगातार ठिकाने बदलते रहे। पूछताछ से पता चला कि चौधरी बेंगलूरु भाग गया और फिर पुडुचेरी चला गया।

खुफिया जानकारी के आधार पर एक टीम ने 29 अगस्त को पुडुचेरी के सेंट मार्टिन स्थित एक होटल पर छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी ने बताया कि चौधरी का पुराना आपराधिक इतिहास है और उसके खिलाफ कम से कम पांच मामले दर्ज हैं, जिनमें 2012 में रंजीत नगर पुलिस थाने में दर्ज हत्या का मामला भी शामिल है।

केरल में यूट्यूबर पर हमले के आरोप में चार लोग हिरासत में लिए गए

इडुक्की। केरल में इडुक्की जिले के थोडुपुझा में यूट्यूबर शाजन स्कारिया पर हमला करने के आरोप में सोमवार को चार लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बताया कि साइबर प्रकोष्ठ की मदद से चारों को बेंगलूरु से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों में से एक ने एक दिन पहले फेसबुक पर पोस्ट किया था कि वे शाजन पर फिर से हमला करेंगे, लेकिन बाद में पोस्ट हटा दिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उस पोस्ट के आधार पर साइबर प्रकोष्ठ ने बेंगलूरु में आरोपियों की लोकेशन का पता लगाया और उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को जल्द ही थोडुपुझा लाया जाएगा। इस बीच, शाजन ने आरोप लगाया कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के कार्यकर्ताओं ने हमला किया। उन्होंने कहा कि हमले में पाँच लोग शामिल थे और पुलिस ने उनकी पहचान कर ली है। उन्होंने आरोप लगाया, ''पुलिस ने मुझे पांच लोगों की तस्वीरें दिखाईं, और मैंने उनकी पहचान कर ली। यह हमला मैथ्यू कोल्लमपिल्ली और शियास के नेतृत्व वाले एक समूह ने किया, जो माकपा के इशारे पर काम कर रहा था। यह मेरी हत्या का प्रयास था।'' शाजन यूट्यूब चैनल 'मरुनादन मलयाली' के मालिक हैं।

रजनीकांत अभिनीत फिल्म 'कुली' ने बॉक्स ऑफिस पर 504 करोड़ रुपये कमाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। मशहूर अभिनेता रजनीकांत अभिनीत फिल्म कुली' ने वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है। यह फिल्म 14 अगस्त को रिलीज हुई थी, जिसका निर्देशन लोकेश कानागराज ने किया है।

लोकेश को 'कार्थी की कैथी', विजय की 'मास्टर' और 'लियो' तथा कमल हासन की 'विक्रम' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। 'ट्रेड ट्रैकिंग' वेबसाइट 'सैकनिल्क' के अनुसार, 151 करोड़ रुपये से शुरुआत करने वाली इस फिल्म की वैश्विक बॉक्स ऑफिस में कमाई 504 करोड़ रुपये हो गई है। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इसने 327 करोड़ रुपये कमाए हैं। फिल्म में रजनीकांत एक कुली की मुख्य भूमिका में हैं, जो एक भ्रष्ट गिरोह के खिलाफ खड़ा होता है। फिल्म के अन्य कलाकारों में सौबिन शाहिर, उपेंद्र, श्रुति हासन, सत्यराज, खलनायक की भूमिका में नागार्जुन और आमिर खान विशेष रूप से नजर आते हैं। 'कुली' रजनीकांत की 171वीं और कानागराज के साथ उनकी पहली फिल्म है। फिल्म का निर्माण सन पिक्चर्स द्वारा किया गया है और वितरक पेन स्टूडियोज है।

चेन्नई हवाईअड्डे पर धातु का लावारिस डिब्बा मिलने से हड़कंप

चेन्नई। चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के आगमन टर्मिनल पर सोमवार को धातु का एक लावारिस डिब्बा मिलने से हड़कंप मच गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि धातु का यह छोटा डिब्बा सीमाशुल्क कार्यालय के पास पड़ा हुआ था।

उन्होंने बताया कि इसकी सूचना मिलते ही केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवान, बम निरोधक दस्ता और स्निफर डॉग्स के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारी ने कहा कि डिब्बे की प्रारंभिक जांच के बाद उसे आगे की जांच के लिए सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है।

वैश्विक अयप्पा संगमम के जरिये सबरीमला के विकास के लिए दुनियाभर के श्रद्धालुओं को जोड़ेंगे : टीडीबी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड(टीडीबी) ने सोमवार को कहा कि आगामी वैश्विक अयप्पा संगमम का मौलिक लक्ष्य सबरीमला के विकास में दुनिया भर के श्रद्धालुओं को शामिल करना है। टीडीबी कार्यक्रम आयोजित करने का शीर्ष निकाय है। टीडीबी के अध्यक्ष पी एस प्रशांत ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त सबरीमला मास्टरप्लान को सम्मेलन में प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।''

कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने अब तक इसमें भाग लेने का निर्णय नहीं लिया है। हालांकि प्रशांत ने कहा कि विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी डी सतीशन समागम के तीन संरक्षकों में से एक हैं। इस आयोजन के लिए पंजीकरण सबरीमाला आभासी कतार पोर्टल के माध्यम से पहले ही शुरू हो चुका है। प्रशांत ने बताया, ''मुख्यमंत्री पिनराई विजयन इस कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक होंगे और विधानसभा अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष और देवस्वोम मंत्री अन्य संरक्षक होंगे।'' उन्होंने कहा, ''इसका उद्देश्य सबरीमला की महिमा को दुनिया भर में पहुंचाना और 'तत्वमसि' दर्शन के सार का प्रचार करना है। सबरीमला के विकास के संबंध में दुनिया भर के अयप्पा भक्तों की राय एकत्र की जाएगी।'' टीडीबी द्वारा केरल सरकार के सहयोग से अपनी 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 20 सितंबर को पम्पा में वैश्विक अयप्पा संगमम का आयोजन किया जाएगा।

धर्मस्थल मामले में 'बहुत बड़ी साजिश', जांच एनआईए या सीबीआई को सौंपी जाए : विजयेंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मस्थल। कर्नाटक के मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को दक्षिण कन्नड जिले के धर्मस्थल में एक रैली आयोजित कर शहर में कई हत्याओं, बलात्कारों और दफनाने के आरोपों की केंद्रीय एजेंसी से जांच कराने की मांग की। भाजपा के मुताबिक पूरे कर्नाटक से लगभग एक लाख लोगों ने इस प्रदर्शन में हिस्सा लिया। पार्टी के मुताबिक यह धर्मस्थल के मंदिर और उसकी परंपराओं को ''बदनाम करने के प्रयास'' के खिलाफ एकजुटता का प्रदर्शन था। 'धर्मस्थल चलो' नाम से आयोजित रैली में केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री सदानंद गौड़ा, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा, सांसद और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। विजयेंद्र ने रैली को संबोधित करते हुए केंद्र से इस मामले को सीबीआई या एनआईए को सौंपने का आग्रह किया। उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर हिंदू समुदाय को न्याय दिलाने में 'विफल' होने का आरोप लगाया।

उन्होंने 2003 में लापता हुई एक युवती के लम्बे समय से लंबित मामले का भी सदंर्भ दिया और उसके परिवार को न्याय दिलाने के लिए पार्टी के समर्थन को दोहराया। भाजपा नेताओं ने कहा कि इस रैली का उद्देश्य कर्नाटक के सबसे प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों में से को ''बदनाम करने के अभियान'' का मुकाबला करना था। कांग्रेस सरकार ने आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। हालांकि, भाजपा का कहना है कि केवल एक केंद्रीय एजेंसी ही पारदर्शी जांच सुनिश्चित कर सकती है। इससे पहले दिन में, विजयेंद्र और अशोक ने भाजपा नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ मंजूनाथ मंदिर का दौरा किया और पूजा-अर्चना की। उन्होंने मंदिर के धर्माधिकारी वीरेंद्र हेगड़े से भी मुलाकात की। यह विवाद तब शुरू हुआ जब एन चिन्नैया नामक शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि पिछले दो दशकों में धर्मस्थल में दर्जनों शव-जिनमें यौन उत्पीड़न के निशान वाली महिलाओं के शव भी शामिल हैं-दफनाए गए हैं। चिन्नैया को झूठी गवाही देने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है।

'धर्मस्थल चलो' रैली हिंदू आस्था के खिलाफ साजिश का पर्दाफाश करने के लिए आयोजित की गई : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मस्थल। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोमवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में अति-वामपंथी धड़े की साजिश का पर्दाफाश' करने के लिए 'धर्मस्थल चलो' रैली का आयोजन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार हिंदू आस्था केंद्रों और उनकी मान्यताओं को बदनाम' करने की कोशिश कर रही है। वह रैली के इतर बोल रहे थे, जिसका आयोजन पार्टी द्वारा धर्मस्थल के खिलाफ बदनामी अभियान की निंदा करने के लिए किया गया था। भाजपा ने इस मामले की एनआईए (राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण) जांच की भी मांग की है। जोशी ने दावा किया, धर्मस्थल चलो का उद्देश्य कांग्रेस सरकार में अति-वामपंथी धड़े की साजिश का पर्दाफाश करना है, जो देश के सभी हिंदू आस्था केंद्रों को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। वे हमेशा हिंदू समाज को निशाना बनाते हैं और एकतरफा वोट बैंक की राजनीति करते हैं।

उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''इन सभी चीजों को उजागर करने के लिए हम आज यहां हैं।'' केंद्रीय मंत्री ने धर्मस्थल मामले को ''100 प्रतिशत एक साजिश' बताया और कहा कि उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने खुद कहा था कि 'एक साजिश' थी। जोशी ने कहा, ''एक ऐसे व्यक्ति की शिकायत के आधार पर, जिसकी पृष्ठभूमि ज्ञात नहीं है, मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। स्थानीय पुलिस द्वारा पहले उसकी पृष्ठभूमि की पुष्टि करने के सुझाव के बावजूद ऐसा किया गया। विशेष जांच दल के गठन के बाद, धर्मस्थल में हर जगह खुदाई शुरू हो गई। हमने एसआईटी द्वारा जांच करने का स्वागत किया था, न कि पूरे क्षेत्र में खुदाई करने का।''

धर्मस्थल मामला : विधायक गोपालैया ने एनआईए जांच की मांग की

बेंगलूरु। महालक्ष्मी लेआउट विधायक के. गोपालैया के नेतृत्व में धर्मस्थल के खिलाफ साजिश की निंदा करते हुए अभियान शुरू किया है। 'धर्म की ओर हमारा कदम' नारे के तहत कार्यक्रम आयोजित किया और 1 सितंबर की सुबह, हजारों कार्यकर्ता सैकड़ों वाहनों में सवार होकर विधानसभा क्षेत्र के रानी अब्बक्का खेल मैदान (कमलम्मा गुंडी) से धर्मस्थल के लिए रवाना हुए। मीडिया से बात करते हुए, गोपालैया ने कहा कि हम सभी महालक्ष्मी लेआउट विधानसभा क्षेत्र से बसों में धर्मस्थल जाना चाहते थे, लेकिन बस रुकने की आशंका के चलते हम कारों और टेम्पो ट्रैवल्स से रवाना हुए। उन्होंने कहा कि 'हमारा धर्म जीवित रहना चाहिए, इसीलिए यह संघर्ष शुरू हुआ है।'

राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र

पहले ही दिन हंगामा : विधानसभा में वोट चोरी बनाम गालीबाज की जंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र पहले ही दिन हंगामे की भेंट चढ़ गया। कांग्रेस विधायकों ने वोट चोर, गद्दी छोड़ के नारे लगाए, तो भाजपा ने पलटवार में गालीबाज राहुल गांधी के नारे बुलंद किए। स्पीकर की बार-बार की समझाइश भी नाकाम रही और सदन का माहौल गरमाता चला गया। कांग्रेस ने चुनाव आयोग और सरकार पर वोट चोरी का आरोप लगाया, जबकि भाजपा ने राहुल गांधी की भाषा शैली को मुद्दा बनाया। हंगामे के बीच झालावाड़ हादसे पर श्रद्धांजलि को लेकर विपक्ष ने सरकार की संवेदनशीलता पर सवाल उठाए, वहीं खेजड़ी संरक्षण कानून और एसआई भर्ती जैसे मुद्दे भी गूंजते रहे।

कांग्रेस का 'वोट चोरी' नैरेटिव

पहले ही दिन कांग्रेस विधायकों ने तख्तियां लहराईं और नारे लगाए वोट चोर, गद्दी छोड़। यह नारा महज़ शोरगुल नहीं था, बल्कि एक सुनियोजित राजनीतिक रणनीति थी। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पहले से ही देशभर में 'चुनाव चोरी' का मुद्दा उठाती आ रही है। सचिन पायलट ने विधानसभा में इसी लाइन को आगे बढ़ाते हुए कहा कि कुछ लोग बार-बार वोट चोरी कर सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं, इसे कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी। यह संदेश केवल राजस्थान की राजनीति तक सीमित नहीं है। कांग्रेस इसे राष्ट्रीय मुद्दा बनाकर लोकसभा और विधानसभा चुनावों में हुई हार का राजनीतिक स्पष्टीकरण गढ़ना चाहती है।

कांग्रेस की आक्रामकता का जवाब भाजपा विधायकों ने भी उतनी ही तेज़ी से दिया। सदन में नारे लगे गालीबाज राहुल गांधी। सरकारी मुख्य सचेतक जागेश्वर गर्ग ने मीडिया के सामने यह लाइन और सख़्त की गालीबाज कांग्रेस है, इसका रिकॉर्ड है और वीडियो भी सबूत हैं। यहां भाजपा की रणनीति साफ़ है वह कांग्रेस की ओर से उठाए जा रहे चुनाव आयोग और वोट चोरी के सवाल को सीधे संबोधित नहीं कर रही, बल्कि राहुल गांधी की भाषा-शैली को ही मुद्दा बनाकर चर्चा को भावनात्मक और व्यक्तिगत स्तर पर मोड़ना चाहती है।

स्पीकर वासुदेव देवनानी को बार-बार दोनों दलों को टोकना पड़ा। उनका कथन यहां बाजार या चौराहे जैसी हरकतें नहीं हो सकतीं विधानसभा की गिरती मर्यादा की ओर सीधा संकेत था। राजनीतिक विश्लेषण यह बताता है कि आज सदन का संचालन किसी भी स्पीकर के लिए आसान नहीं रह गया है। दोनों पक्ष अपनी-अपनी लाइन पर इतने अड़े रहते हैं कि विधायी कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ जाती है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार पर हमला करते हुए पूछा कि झालावाड़ स्कूल हादसे में जान गंवाने वाले मासूम बच्चों को श्रद्धांजलि क्यों नहीं दी गई?यहाँ कांग्रेस ने सत्ता पक्ष को संवेदनहीन बताने की कोशिश की। बड़ी घटनाओं और राष्ट्रीय स्तर पर हुई मौतों पर श्रद्धांजलि दी गई, लेकिन स्थानीय त्रासदी की अनदेखी पर सवाल खड़ा करना विपक्ष की रणनीति में मानवीय कोण जोड़ता है।

हंगामे के बीच भी विधानसभा में दूसरे स्वर गूंजे। निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने खेजड़ी संरक्षण कानून की मांग उठाई और पोस्टर तक लहराए। गृह राज्य मंत्री ने ख्ख भर्ती पर कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि दोषियों पर कार्रवाई होगी, निर्दोषों को परेशान नहीं किया जाएगा। ये दोनों बिंदु बताते हैं कि जबकि सत्ता और विपक्ष का बड़ा नैरेटिव वोट चोरी बनाम गालीबाज पर टिका रहा, वहीं स्थानीय और प्रशासनिक मुद्दों को उठाने की कोशिश भी हुई।

सत्र को पूरी तरह वोट चोरी और चुनाव आयोग की पक्षधरता जैसे मुद्दों पर केंद्रित करना। इससे वह भाजपा की जीत की वैधता पर लगातार सवाल उठाना चाहती है। राहुल गांधी की छवि को कमजोर करना और कांग्रेस को गालीबाज पार्टी साबित करना, ताकि असल आरोपों की चर्चा दब जाए। सदन में नारेबाज़ी और हंगामा आमजन के लिए यह संकेत है कि आने वाले दिनों में विकास और विधायी कामकाज से ज़्यादा जोर राजनीतिक बयानबाज़ी पर रहेगा। मानसून सत्र का पहला दिन यह तय कर गया है कि आने वाले दिनों में सदन में बहस कम और हंगामा ज़्यादा होगा।सत्ता और विपक्ष दोनों ने अपने-अपने पॉलिटिकल नैरेटिव फिक्स कर दिए हैं , बीच में चाहे खेजड़ी संरक्षण का सवाल हो, एसआई भर्ती का विवाद हो या झालावाड़ हादसे का दर्द, इन मुद्दों को कितना स्पेस मिलेगा, यह इस पर निर्भर करेगा कि दोनों बड़ी पार्टियां अपने शोर-शराबे से उन्हें कितना दबाती हैं या जगह देती हैं।

भगवान विग्रह की शोभायात्रा के साथ ही तीन सितंबर से शुरु होगा डोल मेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारां। राजस्थान में ही नहीं पड़ोसी मध्य प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों तक ख्याति प्राप्त कर चुके बारां के लोकजीवन का प्रतीक, धार्मिक भावनाओं से ओत-प्रोत प्रसिद्ध डोल मेला इस वर्ष भी भाद्रपद शुक्ला जलझूलनी ग्यारस को शहर के विभिन्न पांच दर्जन मन्दिरों के विमानों (डोल) में विराजे भगवान की निकलने वाली शोभायात्रा के साथ तीन सितम्बर को प्रारंभ हो जायेगा। डोल शोभायात्रा मेला अन्य राज्यों के कोटा संभाग के अलावा मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश के कई कस्बाई क्षेत्रों से व्यापारी इस मेले से खरीद-फरोख्त के लिए आते हैं।

यद्यपि मेले का यूं तो अपना आकर्षण होता है, लेकिन बारां के डोल मेले का आकर्षण पूरे शहर के विभिन्न जातियों के मन्दिरों से देव विमानों (डोल) की गाजे- बाजों से निकलने वाली शोभायात्रा है। इस शोभायात्रा को देखने के लिये भारी संख्या में नर-नारी, बच्चे, नौजवानों की भीड़ उमड़ती है। विमानों की शोभायात्रा के आगे भजन कीर्तन मण्डलियां होती है और उसके आगे युवकों एवं अखाड़ेबाजों के मल्ल और शारीरिक कौशल के अनूठे हैरत अंगेज कर देने वालें करतबों को देखकर तो दर्शनार्थी दांतों तले उंगली दबा लेते हैं।

अखाड़ों के करतबों को दिखाने की यह परम्परा कहते हैं, डोल मेले के साथ ही प्रारंभ हुई। डोल शोभा यात्रा को लेकर कई मान्यतायें प्रचलित हैं। कहते हैं इस दिन भगवान श्रीविग्रह अपने विमान यानी डोल में बैठकर विचरने निकलते हैं। दूसरी यह कि इस दिन श्रीकृष्ण की माता गाजे-बाजों के साथ कृष्ण जन्म के 18वें दिन सूर्य एवं जलवा पूजन के लिए घर से निकलती हैं। कुछ का मानना है कि विभिन्न मन्दिरों में विराजे भगवान प्रकृति की हरियाली का वैभव एवं सौन्दर्य निहारने निकलते हैं। समय के साथ परम्परायें बदल जाया करती हैं, लेकिन बारां के साथ सत्य साबित नहीं हुआ। वर्षों पुरानी परम्परा अब भी कायम है।

श्रीकल्याणराय, श्रीजी मन्दिर से विमानों की शोभा यात्रा शुरू होती है। रघुनाथ मन्दिर का भी विमान सबसे आगे होता है। इस मन्दिर को राजमन्दिर कहा जाता है। यह विमान मन्दिर के बाहर आकर रूक जाता है, जहां श्रीजी और रघुनाथजी के विमान आपस में गले मिलते हैं। यह परम्परा अब भी जीवंत है। इस दृश्य को देखने हजारों लोग टूट पड़ते हैं और दर्शन पाकर धन्य समझते हैं। डोल शोभा यात्रा के दौरान बारां शहर के बाजारों और मकानों, दुकानों की छतों पर काफी तादाद में जनसमूह शोभायात्रा के दर्शनार्थ एकत्र हो जाता है। बुजुर्ग बताते हैं कि श्रीजी एवं रघुनाथ जी के विमान गले मिलने के बाद जब रघुनाथ मन्दिर का विमान आगे हो जाता है, तो स्वतः रास्ता भी हो जाता है।

इसे लोग भगवान की कृपा मानते हैं, फिर अन्य मन्दिरों के विमान कतारबद्ध होकर पीछे चलते हैं। शोभायात्रा में ऊंच-नीच की निरर्थक भावना परिलक्षित नहीं होती। विभिन्न जातियों के साथ वाल्मिकी समाज का अखाड़ा विमान भी होता है। विमानों की यह शोभायात्रा सांध्य होते ही डोलमेला स्थित तालाब पर पहुंच जाती है, जिसके किनारे यह विमान कतारबद्ध रख दिये जाते हैं, जहां देवी-देवताओं को नूतन जल से स्नान करवाया जाता है। उसके बाद शंखनाथ, घंटा, ध्वनि, झालर आदि कई वाद्ययंत्रों की ध्वनि एवं जय-जयकार के उद्घोषों के साथ सामूहिक महाआरती होती है। यह दृश्य भी काफी आकर्षक होता है। धार्मिक श्रद्धा, लोकानुरंजन एवं व्यवसाय का मिश्रित रूप बारां का यह डोल मेला काफी ख्याति अर्जित कर चुका है। बारां स्थित कल्याणराय श्रीजी का मन्दिर जहां से शोभायात्रा शुरू होती है, वह 600-700 वर्ष पुराना बताया जाता है। इतिहास में उल्लेख है कि बून्दी के महाराव सुरजन सिंह हाड़ा ने रणथम्भौर का किला अकबर को सौंप दिया था।

उस समय वहां से दो देव मूर्तियों को लाया गया था। उनमें एक रंगनाथ जी की और दूसरी कल्याणराय जी की थी। रंगनाथ जी की मूर्ति को बून्दी में स्थापित किया गया और कल्याणराय जी की मूर्ति को बारां लाया गया था। बून्दी की तत्कालीन महारानी ने यहां श्रीजी के मन्दिर का निर्माण करवाया और मूर्ति यहां स्थापित की। कल्याणराय जी के श्रीजी मन्दिर से सटी यहां एक मस्जिद भी है, जो जामा मस्जिद के नाम से प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि यह मस्जिद मन्दिर के वर्षों बाद बून्दी की ही रानी ने बनवाई थी।

उस समय बारां जिले का शाहबाद उपखण्ड औरंगजेब की छावनी था। रानी को आशंका थी की उसके परिवार द्वारा बनाये गये श्रीजी के मन्दिर को मुस्लिम सम्राट क्षति पहुंचायेगा, इसलिए उन्होंने मन्दिर की रक्षा के लिए उक्त मस्जिद का निर्माण करवाया था। वर्तमान में यह मन्दिर-मस्जिद डोल मेला एवं शोभायात्रा के दौरान साम्प्रदायिक सद्भाव का संदेश भी देता है। हाड़ौती संभाग के बारां और इसके आसपास का बसा क्षेत्र जिसे राजस्थान के अनाज का कटोरा कहा जाता है।

महंत से मारपीट करने के मामले ने तूल पकड़ा

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के सरिस्का के पांडुपोल हनुमान मंदिर स्थित बूढ़े हनुमान मंदिर के महंत से मारपीट करने के मामले में विवाद बढ़ता जा रहा है। संत के समर्थन में कुछ संगठन और सर्वसमाज के लोग उतर आये हैं। सोमवार को विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी अलवर के जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से मिले और दोषियों को सजा देने की मांग की।

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने इन अधिकारियों को ज्ञापन सौंपते हुये कहा कि बूढ़ा हनुमानजी मंदिर पाण्डुपोल, टहला आश्रम निवासी संत 1008 महंत महाराज के साथ 28 अगस्त को कुछ असामाजिक तत्वों ने मालाखेड़ा में बेहरमी से मारपीट की। उनके बाल खींचे गये, बेबुनियाद आरोप लगाये गये। पुलिस ने अब तक इस मामले की जांच भी नहीं की। विहिप के रामदयाल मीणा ने कहा कि अगर पांच दिनों में आरोपी नहीं पकड़े गये, तो उग्र आंदोलन किया जायेगा। विहिप के प्रदेश संयोजक प्रेम सिंह राजावत ने इस घटना को सनातन का अपमान बताते हुए इस घटना की निंदा की है। विहिप के जिला अध्यक्ष विजेंद्र खंडेलवाल ने इस घटना को हिंदू समाज एवं संतों के सम्मान पर आघात करार दिया। ज्ञापन में कहा गया कि अगर जांच में संत दोषी पाये जाते हैं, तो कार्रवाई की जाये, लेकिन यदि वह निर्दोष हैं, तो दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। परिषद ने मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने एवं दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की। उल्लेखनीय है कि गत 28 अगस्त को मंदिर के महंत के खिलाफ एक युवक और एक किशोर ने अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया था, जिसकी टहला पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी। इसके बाद बाबा को धोखे से मालाखेड़ा बुलाया गया, जहां बाबा के साथ करीब 25 लोगों ने मारपीट की।

प्रदर्शन

बिहार में कांग्रेस और आरजेडी के मंच से देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत पूज्य माता के लिए किये गए अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में आज नागौर में सोमवार को भाजपा युवा मोर्चा के नेतृत्व में नागौर कांग्रेस कार्यालय के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया गया।

पत्नी को जलाकर मारने के दोषी को अदालत ने मृत्युदंड की सजा सुनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। उदयपुर की एक अदालत ने अपनी पत्नी को जलाकर मारने के दोषी व्यक्ति को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी के जुर्म की घोर निंदा करते हुए इसे जघन्य अपराध करार दिया। आरोपी पर आरोप था कि उसने पत्नी के सांवले रंग व 'मोटापे' के चलते उसके शरीर पर ज्वनशील पदार्थ डाला और उसे आग लगा दी। यह हृदयविदारक घटना 24 जून 2017 को नवानिया गांव में हुई। आठ साल की कानूनी लड़ाई के बाद मावली (उदयपुर) के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने शनिवार को फैसला सुनाया।

अभियोजन पक्ष के अनुसार आरोपी किशनलाल को अपनी पत्नी लक्ष्मी के रूप-रंग से गहरी नफरत थी। अपराध वाली रात उसने अपनी पत्नी को कपड़े उतारकर पूरे शरीर पर एक ज्वलनशील रसायन लगाने को कहा और उसे विश्वास दिलाया कि वह इससे गोरी हो जाएगी। अदालत के अनुसार लक्ष्मी को रसायन की अजीब गंध के कारण संदेह हो गया लेकिन फिर भी उसने अपने पति पर भरोसा करके पूरे शरीर पर इसे लगा लिया। इसके बाद किशनलाल ने एक अगरबत्ती जलाई और उसे पत्नी के पेट के पास ले गया जिससे शरीर पर लगे ज्वलनशील तरल पदार्थ ने आग पकड़ ली। गंभीर रूप से जल चुकी लक्ष्मी मदद के लिए चिल्लाई और भागने लगी, लेकिन आरोपी ने पहले ही साजिश के तहत कमरा अंदर से बंद कर दिया था इसलिए वह बाहर नहीं जा पाई। इसके बाद ससुराल वाले उसे अस्पताल ले गए जहां कुछ दिन बाद लक्ष्मी की मौत हो गई।

अपने आदेश में अदालत ने किशनलाल के कृत्य को दुर्लभ मामला बताते हुए इसकी निंदा की। अदालत ने कहा कि आरोपी किशनलाल का यह कृतय समाज के सामूहिक अंतःकरण को झकझोरता है। सरकारी अभियोजक दिनेश पालीवाल ने कहा कि उन्होंने 14 गवाह और 36 दस्तावेज पेश करके साबित किया कि किशनलाल बार-बार लक्ष्मी को 'मोटी व काली' कहकर ताने मारता था और इसके चलते ही उसने यह अपराध कृत्य किया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि लक्ष्मी का मृत्यु पूर्व बयान महत्वपूर्ण साक्ष्य है जिससे पुष्टि होती है कि पति उसके रंग रूप व शारीरिक बनावट के लिए उसे ताने मारता था और उसे खुद के लिए योग्य नहीं बताता था। लक्ष्मी द्वारा दिए गए मृत्यु पूर्व बयान ने उसके साथ हुए उत्पीड़न की पुष्टि की। अपने बयान में लक्ष्मी ने बताया कि कैसे किशनलाल ने उसे कमरे में बंद कर दिया, उसके रंग-रूप का मजाक उड़ाया और अंततः उसे जिंदा जलाने की अपनी साजिश को अंजाम दिया।

बागड़े ने लोकदेवता बाबा रामदेव के किए दर्शन

जयपुर/दक्षिण भारत। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सोमवार को रामदेवरा पहुंचकर लोकदेवता बाबा रामदेव जी की समाधि के दर्शन किए एवं विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की।

इस दौरान राज्यपाल ने परिसर में स्थित जम्मा जागरण स्थल पर बाबा रामदेव की रिक्खियों का श्रवण भी किया। इस अवसर पर बाबा रामदेव वंशज गादीपति भोमसिंह तंवर ने मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से राज्यपाल का साफा, दुपट्टा एवं बाबा रामदेव जी की तस्वीर भेंट कर पारंपरिक स्वागत किया गया। राज्यपाल ने बाबा रामदेव जी के आदर्शों और जनकल्याणकारी विचारों का स्मरण किया।

उन्होंने देशभर से रामदेवरा आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की आस्था और श्रद्धा को अद्भुत बताया और प्रशासन द्वारा मेले में की गई व्यवस्थाओं की भी सराहना की।

राजभवन में बागड़े के एक वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों को दर्शाती पुस्तक 'अभ्युदय की ओर' का विमोचन

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के इतिहास में वह क्षण सदा के लिए स्वर्णिम अक्षरों में अंकित हो गया जब राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के आग्रह पर सोमवार को रामदेवरा की भीलों का बास निवासी श्रीमती सोमती ने उनके एक वर्ष के कार्यकाल की पुस्तक 'अभ्युदय की ओर' का विमोचन किया। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने अपने एक वर्ष का कार्यकाल आदिवासी, जनजाति और गांव गरीब के लोगों को समर्पित किया है। उनकी यह मंशा थी कि उनके एक वर्ष कार्यकाल की पुस्तक का लोकार्पण लोक आस्था के पावन धाम में किसी महिला के हाथों से हो। रामदेवरा स्थित भीलों का बास निवासी सोमती देवी को इसके लिए चुना गया।

राज्यपाल ने कहा कि 'अभ्युदय की ओर' का अर्थ है, सर्व कल्याण, सबकी उन्नति, सबके समान उत्थान के लिए कार्य। उन्होंने रामदेवरा की महिला सोमती द्वारा 'अभ्युदय की ओर' पुस्तक विमोचन के लिए आभार भी जताया। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल बागड़े ने राजस्थान में अपने एक वर्ष के कार्यकाल को उदयपुर जिले की आदिवासी ग्राम पंचायत बिलवान कोटड़ा में मनाया था। एक वर्ष पूर्ण होने पर उन्होंने जनजातीय लोगों के मध्य ही रात्रि विश्राम कर उनसे मिल बैठ संवाद कर मनाया था। राज्यपाल के रूप पदभार ग्रहण के बाद से ही राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े का निरंतर यह प्रयास रहा है कि सभी क्षेत्रों में राजस्थान 'अभ्युदय की ओर' बढ़ें। इसी के तहत उन्होंने राज्य के विकास से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए सभी जिलों का सघन दौरा किया, वहां के लोगों से संवाद किया। जिलों में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं, विकास कार्यक्रमों, जन हित से जुड़ी नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया। 'अभ्युदय की ओर' पुस्तक में इन सबसे जुड़ी महती सामग्री संजोई गई है। इस पुस्तक में उनके द्वारा रासायनिक खेती के खतरों को देखते हुए प्राकृतिक खेती के लिए किए कार्य, सहकारिता की भावना के साथ सभी क्षेत्रों विकास के साझा प्रयास, डेयरी और आदिवासी क्षेत्रों में सर्वांगीण विकास के लिए किए कार्य और प्रदेश में विश्वविद्यालयों को उच्च गुणवत्ता की दृष्टि से समृद्ध किए जाने, नेक एक्रीडेशन आदि के लिए हुई पहल को संजोया गया है।

प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला शाखा की सदस्यों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों द्वारा की गई 'अभद्र' टिप्पणियों के विरोध में सोमवार को मध्य कोलकाता में प्रदर्शन किया। भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष फाल्गुनी पात्रा के नेतृत्व में लगभग 200 सदस्यों ने मुरलीधर सेन लेन स्थित पार्टी मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। पूर्व सांसद लॉकेट चटर्जी भी उनके साथ शामिल हुईं। उन्होंने टायर जलाए और मुख्य सीआर एवेन्यू को जाम कर दिया, जिससे यातायात बाधित हो गया। पात्रा ने कहा, हमने कोलकाता पुलिस से विरोध प्रदर्शन करने और अपने राज्य कार्यालय के पास एक मंच बनाने की अनुमति मांगी थी। हालांकि सभी अनुमतियां लेने के बावजूद पुलिस ने हमारा मंच तोड़ दिया। उन्होंने कहा, लेकिन हम मोदी और शाह जिनका व्यापक और सार्वभौमिक सम्मान है, के खिलाफ इस्तेमाल किए गए अभद्र शब्दों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे।

राहुल गांधी कर रहे हैं मतदाताओं का अपमान : रविशंकर प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को राहुल गांधी के इस दावे का मजाक उड़ाया कि वह जल्द ही अपने ''वोट चोरी'' आरोप के सिलसिले में ''हाइड्रोजन बम'' सामने लेकर आएंगे।

भाजपा ने उनका ''एटम बम'' बेकार साबित होने का दावा करते हुए उन पर गैरजिम्मेदाराना टिप्पणियों से लोकसभा में विपक्ष के नेता के अपने पद को कमतर करने का आरोप लगाया। गांधी पर निशाना साधते हुए भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस नेता और उनकी पार्टी का मोदी को ''गाली'' देने का इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों ने बार-बार गांधी को नकारा है और प्रधानमंत्री में विश्वास जताया है।

पटना में अपनी वोट अधिकार यात्रा के समापन के दौरान गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष किया था। प्रसाद ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भाजपा की जीत के पीछे धोखाधड़ी और छल का आरोप

लगाकर कांग्रेस नेता मतदाताओं का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह अहंकार है और हम मतदाताओं से कहेंगे कि वे उन्हें उनके अहंकार की सज़ा दें। पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रसाद ने राजद नेता तेजस्वी यादव पर भी बार-बार निशाना साधा और कहा कि बिहार में कांग्रेस का कोई राजनीतिक आधार न होने के बावजूद वह राहुल गांधी के 'दोयम का दर्जा' निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव का मुख्यमंत्री पद पर दावा है, लेकिन उन्होंने आगे की कुर्सी राहुल गांधी को दे दी है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा का अक्टूबर-नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। राज्य में मतदाता सूचियों की चल रही विशेष गहन समीक्षा का बचाव करते हुए, प्रसाद ने दावा किया कि विपक्ष का इसके खिलाफ अभियान सिर्फ दो वजहों से है। उन्होंने राज्य में चुनावी हिंसा और बूथ-कब्जे की घटनाओं के इतिहास को याद करते हुए कहा कि विपक्षी नेता 'बूथ लूटने का अधिकार और ताकत' चाहते हैं और उनकी यह भी इच्छा है कि घुसपैठियों को वोट देने की अनुमति दी जाए। उन्होंने कहा कि गांधी का अभियान कांग्रेस की बार-बार की चुनावी हार से उत्पन्न उनकी हताशा पर आधारित है और यदि गांधी इसी तरह का आचरण जारी रखेंगे तो उनकी पार्टी को और भी बुरा अंजाम भुगतना पड़ेगा।

असम में 2.6 तीव्रता का भूकंप

गुवाहाटी/भाषा। मध्य असम में सोमवार दोपहर 2.6 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भूकंप के कारण किसी के घायल होने या संपत्ति के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप अपराह्न तीन बजकर 56 मिनट पर आया और इसका केंद्र ब्रह्मपुत्र के दक्षिणी तट पर कार्बी आंगलोंग जिले में पांच किलोमीटर की गहराई पर दर्ज किया गया। भूकंप का सटीक केंद्र मध्य असम के तेजपुर से लगभग 43 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में है।

ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी तट पर स्थित सोनितपुर और विश्वनाथ के अलावा पड़ोसी नगांव, होजई और गोलाघाट जिलों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके महसूस होने पर लोग अपने घरों से बाहर निकलकर खुले इलाकों में भाग गए। अधिकारियों ने बताया कि असम उच्च भूकंपीय क्षेत्र में आता है, जिस वजह से इस क्षेत्र में अक्सर भूकंप आते रहते हैं।

बिहार में 99.5 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने दस्तावेज जमा कराए : निर्वाचन आयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय को सूचित किया कि चुनावी राज्य बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत 7.24 करोड़ मतदाताओं में से लगभग 99.5 प्रतिशत ने पात्रता दस्तावेज जमा कराए हैं।

आयोग ने दावा किया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के अलावा किसी अन्य राजनीतिक दल ने मतदाताओं को निर्धारित प्रारूप में दावे और आपत्तियां दाखिल करने में सहायता उपलब्ध नहीं कराई। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ को चुनाव निकाय ने सूचित किया कि मतदाताओं ने अधिक ''सतर्कता और सक्रियता'' दिखाई है, क्योंकि उन्होंने मसौदा सूची में नाम शामिल करने के लिए 33,326 फॉर्म और नाम हटाने के लिए 2,07,565 फॉर्म जमा किए हैं। आयोग ने बताया कि इसके अलावा पहली बार मतदाता बनने के लिए 15 लाख से अधिक आवेदन आए हैं।

आयोग ने बताया कि पहली बार मतदाता बनने के लिए आए हैं 15 लाख से अधिक आवेदन

निर्वाचन आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने एक नोट में कहा, रिकॉर्ड के अनुसार, बिहार राज्य की मसौदा मतदाता सूची में शामिल लगभग 99.5 प्रतिशत मतदाताओं (7.24 करोड़ में से) ने एसआईआर प्रक्रिया से संबंधित अपने पात्रता दस्तावेज पहले ही जमा कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि दस्तावेज सत्यापन कार्य 24 जून के एसआईआर आदेश में दिए गए कार्यक्रम के अनुरूप 25 सितंबर तक पूरा कर लिया जाएगा।

निर्वाचन आयोग ने कहा, विशेष रूप से, यह प्रस्तुत किया जाता है कि भाकपा (माले) लिबरेशन और राजद के अलावा, अन्य किसी भी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल ने अपने पदाधिकारियों या वैध रूप से नियुक्त बीएलए के माध्यम से, लगभग 65 लाख मतदाताओं में से किसी भी मतदाता को, जिनके नाम मसौदा मतदाता सूची में शामिल नहीं हैं, घोषणा के साथ फॉर्म 6 जमा करने में सहायता नहीं की है। अन्य किसी भी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल ने निर्धारित प्रारूप में दावे या आपत्तियां दाखिल करने की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई है।

मतदाता सूची भाजपा की इच्छा के अनुसार तैयार की जा रही है : हेमंत सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर लोगों के अधिकार छीन रही है और मतदाता सूची सत्तारूढ़ गठबंधन की इच्छा के अनुसार तैयार की जा रही है।

बिहार में कांग्रेस की 'वोटर अधिकार यात्रा' के समापन पर पटना में एक रैली को संबोधित करते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता ने राजग सरकार पर 'फूट डालो और राज करो' की नीति अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने सत्तारूढ़ गठबंधन को सत्ता से बेदखल करने के लिए 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन के घटक दलों से एकजुट रहने का आह्वान किया। उन्होंने भाजपा पर राज्य सरकारों को गिराने के लिए 'वोट चोरी' करने और विधायकों की खरीद-फरोख्त में लिप्त होने का भी आरोप लगाया। सोरेन ने कहा, भाजपा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और अन्य केंद्रीय एजेंसियों का विपक्षी नेताओं के खिलाफ इस्तेमाल कर रही है।

ममता का खाद्य सुरक्षा का दावा गरीबों के साथ क्रूर मजाक : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के राज्य में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के दावे का खंडन करने के लिए भाजपा ने सोमवार को पांचवें राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों का हवाला दिया और आरोप लगाया कि उनका दावा गरीबों के साथ क्रूर मजाक के अलावा कुछ नहीं है। भारतीय जनता पार्टी के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय के अनुसार, बंगाल में छह से 59 महीने की उम्र के 69 प्रतिशत बच्चे खून की कमी (एनीमिया) से पीड़ित हैं, जबकि चौथे सर्वेक्षण में यह संख्या 54 प्रतिशत बताई गई थी। उन्होंने बताया कि नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 71 प्रतिशत महिलाएं और 39 प्रतिशत पुरुष खून की कमी से पीड़ित हैं।

राज्य में पार्टी के सह-प्रभारी मालवीय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ममता बनर्जी का 'खाद्य सुरक्षा' पर उपदेश पश्चिम बंगाल के गरीबों के साथ एक क्रूर मजाक के अलावा कुछ नहीं है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 उनके बड़े-बड़े दावों की पोल खोलता है। मालवीय ने बताया कि राज्य के कई जिलों में 'वेस्टिंग' (लंबाई के अनुपात में कम वजन) में वृद्धि देखी गई है, जिसमें कोलकाता में 11.9 प्रतिशत, दार्जिलिंग में 9.3 प्रतिशत, दक्षिण दिनाजपुर में 5.7 प्रतिशत और हावड़ा में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा, उनकी तथाकथित 'खाद्यसाथी' और 'दुआरे राशन' योजनाएं उनके 'भाईपो' और तृणमूल कांग्रेस के चापलूसों के लिए एक दावत है - जो बंगाल की मेहनत की कमाई पर मौज कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वह केवल अपने भ्रष्ट साथियों के लालच की ही भूख मिटाती हैं।

बनर्जी ने 'एक्स' पर कहा था कि उनकी सरकार ने राज्य में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की है और उनकी कई कल्याणकारी योजनाएं लोगों के घर तक खाद्यान्न और राशन उपलब्ध करा रही हैं। मालवीय ने कहा कि 2026 तक बंगाल पर 7.72 लाख करोड़ रुपए का कर्ज होने का अनुमान है, और राज्य सरकार लोगों को भूखा मार रही है। उन्होंने दावा किया, 2026 में भाजपा इस तमाशे को खत्म कर देगी और बंगाल के लिए वास्तविक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।

'नैतिक भ्रष्टाचार के भीष्म पितामह' बन गए हैं नीतीश : तेजस्वी

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने बिहार में एक इंजीनियर के यहां नकदी की बरामदगी के मामले का उल्लेख करते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नैतिक भ्रष्टाचार के भीष्म पितामह बन गए हैं।

यादव ने पटना के डाक बंगले चौराहे पर एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वह अपने पिता लालू प्रसाद की तरह ही भाजपा के सामने नहीं झुकेंगे। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा, यह बिहार की धरती है, यह लोकतंत्र की जननी है। दो भाजपाई, निर्वाचन आयोग के साथ मिलकर लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। उनका कहना था कि जनता को तय करना है कि उन्हें लोकतंत्र चाहिए या राजतंत्र।

राजद नेता ने कहा, बिहार की जनता उड़ती चिड़िया को हल्दी लगाना जानती है और वह भारतीय जनता पार्टी की ठगी में भी आने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि बिहार की सरकार भ्रष्टाचार में डूबी है और एक इंजीनियर के घर से करोड़ों रुपए मिलते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतिश कुमार नैतिक भ्रष्टाचार के भीष्म पितामह बन गए हैं।

तृणमूल कांग्रेस के मंच को हटाने के लिए केंद्र ने सेना का दुरुपयोग किया : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने सोमवार को केंद्र सरकार पर भाजपा शासित राज्यों में बांग्लाभाषी प्रवासी श्रमिकों पर कथित अत्याचार के विरोध में यहां बनाए गए मंच को हटाने के लिए सेना के दुरुपयोग का आरोप लगाया।

सेना ने मध्य कोलकाता के मैदान क्षेत्र में गांधी प्रतिमा के पास बनाए गए तृणमूल कांग्रेस के मंच को हटाने का काम शुरू किया।

मौके पर पहुंची ममता बनर्जी ने संवाददाताओं से कहा, मैं सेना को दोष नहीं देती, लेकिन इसके पीछे भारतीय जनता पार्टी की प्रतिशोध की राजनीति है। भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार दोषी है। वे सेना का दुरुपयोग कर रहे हैं। यह अनैतिक और अलोकतांत्रिक है। उन्होंने कहा कि सेना को मंच हटाने से पहले कोलकाता पुलिस से परामर्श करना चाहिए था। उन्होंने कहा, वे मुझे बुला सकते थे और मैं कुछ ही मिनटों में मंच हटवा देती।

बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा, मैं सेना को दोष नहीं देती, बस उनसे अपील करती हूं कि वे तटस्थ रहें और भाजपा के हाथों में न खेलें। एक रक्षा अधिकारी ने बताया कि भारतीय सेना (स्थानीय सैन्य प्राधिकरण, कोलकाता) उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार मैदान क्षेत्र में दो दिनों की अवधि के लिए कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति देती है।

रक्षा अधिकारी ने एक बयान में कहा, तीन दिन से अधिक अवधि के आयोजनों के लिए रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से अनुमति प्राप्त करना आवश्यक है। उन्होंने कहा, कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति दो दिनों के लिए दी गई थी।

हालांकि, मंच लगभग एक महीने से लगा हुआ है। आयोजकों को अस्थायी ढांचा हटाने के लिए कई बार सूचित किया जा चुका है। हालांकि इसे हटाया नहीं गया।

67 साल पुराने दुनिया के सबसे लंबे बांध को बड़े पैमाने पर मरम्मत की जरूरत: साहू

बुर्ला (ओडिशा)/भाषा। दुनिया के सबसे लंबे मिट्टी के बांध हीराकुंड बांध को ढांचागत समस्याओं को दूर करने और क्षमता बढ़ाने के लिए व्यापक मरम्मत की आवश्यकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। हीराकुंड बांध सर्किल के अतिरिक्त मुख्य अभियंता सुधीर कुमार साहू ने बताया कि 67 साल पुराने बांध की समग्र मजबूती अच्छी बनी हुई है, लेकिन जलाशय के ऊपरी हिस्से में सतही दरारें और गड्ढे पाए गए हैं। साहू ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हम बांध का रखरखाव ठीक से कर रहे हैं और केंद्रीय मृदा एवं सामग्री अनुसंधान केंद्र तथा केंद्रीय जल एवं विद्युत अनुसंधान केंद्र ने अच्छी रिपोर्ट दी है। इसकी मजबूती बहुत अच्छी है, लेकिन जलाशय के ऊपरी हिस्से में कुछ सतही दरारें और गड्ढे हैं। हीराकुंड बांध परियोजना ओडिशा के संबलपुर शहर से लगभग 12 किलोमीटर ऊपर महानदी नदी पर बनाई गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग छह से छह किलोमीटर दूर स्थित इस बांध तक पहुंचने के लिए निकटतम रेल संपर्क हीराकुंड रेलवे स्टेशन और निकटतम हवाई अड्डा झारसुगुड़ा है।

यह बांध 25.4 किलोमीटर लंबा है, जिसमें 743 वर्ग किलोमीटर में फैली एशिया की सबसे बड़ी कृत्रिम झील है। वर्ष 1957 में आज़ादी के बाद भारत की पहली बहुउद्देशीय परियोजना के रूप में इस बांध का निर्माण हुआ था। वर्ष 1946 में तत्कालीन गवर्नर सर हॉथोर्न लुईस द्वारा आधारशिला रखे जाने के बाद 1948 में इसका निर्माण कार्य शुरू हुआ। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 1948 में कंक्रीट का पहला बैच बिछाया और 13 जनवरी, 1957 को इस परियोजना का उद्घाटन किया गया। वर्तमान में, यह बांध बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई, बिजली उत्पादन, औद्योगिक और घरेलू जल आपूर्ति सहित कई उद्देश्यों की पूर्ति करता है।

'वोट अधिकार यात्रा' संपन्न, राहुल ने 'वोट चोरी' पर खुलासे के 'हाइड्रोजन बम' का वादा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को दावा किया कि ''वोट चोरी के एटम बम के बाद अब हाइड्रोजन बम'' आने वाला है, जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपना ''मुंह नहीं दिखा पाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वोटर अधिकार यात्रा के माध्यम से क्रांतिकारी प्रदेश बिहार ने यह संदेश दिया है कि 'वोट चोरी' नहीं होने दी जाएगी।

राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और महागठबंधन के अन्य प्रमुख नेताओं की 16 दिनों की वोट अधिकार यात्रा का यहां एक विशाल मार्च और सभा के माध्यम से समापन हुआ। यह मार्च गांधी मैदान से अंबेडकर पार्क तक होने वाला था, लेकिन अनुमति नहीं मिलने के कारण पुलिस ने इसे डाक बंगला चौराहे पर ही रोक दिया जहां राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के कई अन्य नेताओं ने समर्थकों को संबोधित किया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यात्रा के अंतिम दिन भी प्रधानमंत्री मोदी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और निर्वाचन आयोग पर हमला जारी रखा और दावा किया कि 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा पूरे देश में फैल चुका है। उन्होंने बेंगलूरु के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में कथित वोट चोरी से जुड़े अपने खुलासे का उल्लेख किया और कहा, एटम बम से बड़ा हाइड्रोजन बम होता है। महादेवपुरा में हमने एटम बम दिखाया था। भाजपा वालों तैयार हो जाओ, हाइड्रोजन बम आ रहा है। तैयार हो जाइए, वोट चोरी की सच्चाई पूरे देश को पता लगने वाली है।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि 'वोट चोरी' का 'हाइड्रोजन बम' आने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनता को अपना ''चेहरा नहीं दिखा पाएंगे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि वोट चोरी का मतलब, अधिकार, आरक्षण, रोजगार, शिक्षा, लोकतंत्र और युवाओं के भविष्य की चोरी है। राहुल गांधी ने दावा किया कि वोट चोरी के बाद लोगों के राशन कार्ड और जमीन छीन ली जाएगी तथा अदाणी और अंबानी जैसे उद्योगपतियों को दे दिया जाएगा।

प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की झारखंड इकाई के महिला मोर्चा ने बिहार में कांग्रेस की 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए कथित तौर पर अभद्र भाषा के इस्तेमाल किए जाने के खिलाफ सोमवार को यहां विरोध मार्च निकाला।

झारखंड: नौ माओवादियों ने हथियार, गोला-बारूद के साथ आत्मसमर्पण किया

लातेहार (झारखंड)/भाषा। झारखंड के लातेहार जिले में प्रतिबंधित माओवादी समूह झारखंड जन मुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के नौ सदस्यों ने अपने हथियारों और गोला-बारूद के साथ सुरक्षा बलों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नौ उग्रवादियों में एक जोनल कमांडर और चार उप-जोनल कमांडर शामिल हैं, जिन पर कुल 23 लाख रुपए का इनाम था।

माओवादियों ने 12 आग्नेयास्त्रों के साथ आत्मसमर्पण किया, जिनमें चार एके-47 राइफल, एक एके-56 राइफल और तीन एसएलआर (सेल्फ लोडिंग राइफल), 1,782 कारतूस और 26 मैगजीन शामिल हैं। झारखंड के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी-ऑपरेशन) माइकल राज एस ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, जेजेएमपी के नौ सदस्यों ने सुरक्षा बलों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। मैं सभी माओवादियों से आग्रह करता हूं कि वे आत्मसमर्पण करें और आत्मसमर्पण नीति का लाभ उठाएं, अन्यथा परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें। पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि जेजेएमपी के जोनल कमांडर रविंद्र यादव पर पांच लाख रुपए का इनाम था और वह 14 मामलों में वांछित था। पुलिस ने बताया कि उसने दो एके-47, तीन राइफल और 1,241 कारतूस के साथ आत्मसमर्पण कर दिया।

भाजपा-आरएसएस नीतीश को वहां फेंक देंगे जहां कचरा फेंकते हैं : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की झोली में गिरने तथा विचारधारा से समझौता करने का आरोप लगाया और दावा किया कि भाजपा-आरएसएस उन्हें वहीं फेंक देंगे जहां कचरा फेंका जाता है। उन्होंने 'वोटर अधिकार यात्रा' के समापन के मौके पर यह दावा भी किया कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के बाद डबल इंजन सरकार नहीं होगी और महागठबंधन की सरकार बनेगी जो गरीबों, महिलाओं, दलितों और पिछड़ों की सरकार होगी।

खरगे ने कहा, आज पूरे देश में 'वोटर अधिकार यात्रा' की चर्चा हो रही है। भाजपा ने इस यात्रा को रोकने की पूरी कोशिश की, लेकिन बिहार की जनता, राहुल गांधी जी, तेजस्वी यादव और महागठबंधन के नेता नहीं रुके। आखिर में हमारी 'वोटर अधिकार यात्रा' पूरी हुई। उन्होंने दावा किया नरेंद्र मोदी बिहार में वोट चोरी करके चुनाव जीतना चाहते हैं, लेकिन हम सभी को सतर्क रहना होगा। खरगे का कहना था, बाबा साहेब अंबेडकर जी, गांधी जी, नेहरू जी ने देश के लोगों को वोट का अधिकार दिया है और हमें इस अधिकार को खोने नहीं देना है। खरगे ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा, नीतीश कुमार एक जमाने में समाजवाद की विचारधारा की बात करते थे। पूरे देश में जाकर लोहिया, जॉर्ज फर्नांडिस के गुण गाते थे और अब भाजपा-आरएसएस की झोली में जा गिरे हैं। उन्होंने दावा किया कि एक दिन नीतीश कुमार को भाजपा-आरएसएस वाले वहां फेंक देंगे जहां कचरा फेंका जाता है।

सुविचार

धैर्य का मतलब है कि आप अपने लक्ष्य पर दृढ़ रहें, चाहे कितनी भी मुश्किलें आएं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

टैरिफ का बहाना, हिंदू समाज पर निशाना

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो की यह टिप्पणी अत्यंत निंदनीय है कि 'ब्राह्मण' भारतीय जनता की कीमत पर मुनाफाखोरी कर रहे हैं और इसे 'रोकने' की जरूरत है। ट्रंप की तरह ये 'सलाहकार' भी बड़बोले निकले। जब सलाहकार इतने 'तेजस्वी' होंगे तो राष्ट्रपति यकीनन उनसे चार हाथ आगे ही निकलेंगे। नोबेल पुरस्कार पाने की सनक में डोनाल्ड ट्रंप ने खुद को हंसी का पात्र बना लिया है। अब पीटर नवारो ऐसी टिप्पणियां कर रहे हैं, जो उनका 'भारतविरोधी' और 'हिंदूविरोधी' चेहरा बेनकाब कर रही हैं। उन्होंने ब्राह्मण समाज के बारे में यह टिप्पणी इसलिए की है, ताकि हिंदू समाज में फूट डाली जाए। भारत में कुछ नेता उनकी 'हां में हां' मिलाने लगे हैं। दुर्भाग्य की बात है कि ऐसे समय में पीटर नवारो जैसे शख्स को सख्ती से जवाब देने के बजाय कुछ लोग प्रचार पाने का मोह नहीं छोड़ पा रहे हैं। यह न समझें कि पीटर ने भावावेश में आकर ऐसी टिप्पणी की है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियां सोशल मीडिया, जिसके ज्यादातर प्लेटफॉर्म अमेरिका के ही हैं, पर नजर रखती हैं और उसकी रिपोर्टों का विश्लेषण करती हैं। पीटर को किसी ने बताया होगा कि ऐसी बयानबाजी करेंगे तो टैरिफ मामले में जातिवाद का तड़का लग जाएगा और आप सोशल मीडिया पर छा जाएंगे। उन्होंने वही किया। पीटर यह भ्रम फैलाना चाहते हैं कि टैरिफ मामले में असल जिम्मेदार एक जाति के लोग हैं। आश्चर्य होता है कि अमेरिका में इतना महत्त्वपूर्ण पद संभाल रहे शख्स की सोच इतनी ओछी है!

पीटर की यह बयानबाजी उस विषैली सोच की अभिव्यक्ति है, जो भारत की हर समस्या के लिए ब्राह्मण समाज को जिम्मेदार ठहराती है। उनका बस चले तो उत्तर कोरिया में किम जोंग उन की सत्ता, अफ्रीका में भुखमरी और अमेरिका में तलाक के मामलों के लिए भी ब्राह्मण को जिम्मेदार ठहरा दें। ब्राह्मण ने सनातन धर्म और इस देश के लिए बहुत त्याग किए हैं, बड़े बलिदान दिए हैं। जो अमेरिका चिकित्सा के क्षेत्र में छोटी-से-छोटी खोज का श्रेय लेने से पीछे नहीं हटता, उसके नेताओं-अधिकारियों को पता होना चाहिए कि भारत का ब्राह्मण ही था, जिसने योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में सदियों तक शोध किया, लेकिन कभी श्रेय लेने की होड़ में शामिल नहीं हुआ, क्योंकि वह 'वसुधैव कुटुंबकम' में विश्वास करता है। पीटर को पिछले एक हजार साल का इतिहास पढ़ना चाहिए। उस दौरान भारत में सत्ता में कौन था? अपनी कमियों, कोताहियों के लिए एक समाज पर झूठी तोहमत लगाना आसान है। मंशा जब ब्राह्मण पर तोहमत लगाने की हो तो यह काम और आसान हो जाता है, क्योंकि उसके खिलाफ इतना दुष्प्रचार किया गया है कि अब झूठ भी सच लगता है। यह कहना कितना हास्यास्पद है कि 'ब्राह्मण हैं जो भारतीय लोगों की कीमत पर मुनाफाखोरी कर रहे हैं', जबकि चीन द्वारा रूसी तेल की खरीद पर उनके पास कोई जवाब नहीं है। अगर पीटर भारत के कारोबारी वर्ग को ब्राह्मण कह रहे हैं तो चीनी कारोबारियों के बारे में क्या ख़याल है? ब्राह्मण ने मुट्ठीभर चावल और एक लोटा पानी पर गुजारा करके भी सनातन धर्म की सेवा की है। तमाम सुविधाओं से वंचित और अभावों से पीड़ित होकर भी वह अमेरिका की दिग्गज कंपनियों का सीईओ बन सकता है, तो यह उसकी योग्यता है। उसकी उन्नति देखकर कोई ईर्ष्या करता है तो करे। इससे पहले कि ट्रंप का 'नोबेल प्रेम' किसी बड़े उन्माद में बदल जाए, अन्य सलाहकार उन्हें यह समझाएं कि आप अमेरिकी राष्ट्रपति पद की प्रतिष्ठा को बहुत पलीता लगा चुके हैं। सत्ता में आकर किसी पुरस्कार की प्राप्ति के लिए नहीं, जनकल्याण के लिए काम करना चाहिए। जो नेता जनकल्याण करता है, उसका दर्जा किसी भी पुरस्कार से ऊंचा होता है।

ट्वीटर टॉक

जिन ताकतों ने महात्मा गांधी जी की हत्या की, आज वही ताकतें संविधान की हत्या करने की कोशिश कर रही हैं। चाहे कुछ भी हो जाए, हम इन्हें संविधान की हत्या नहीं करने देंगे। हमने महादेवापुरा की वोट चोरी को देश के सामने रखा।

-प्रियंका गांधी वाड्रा

आज विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 31 स्थित रेगर मोहल्ला में ए.एस.जी नेत्र चिकित्सालय समूह एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित निशुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श शिविर में सहभागिता करने का अवसर प्राप्त हुआ।

-दीया कुमारी

जोधपुर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर-11 स्थित गणेश पार्क में गणेश महोत्सव का शुभारंभ किया। महोत्सव ऑपरेशन सिंदूर थीम पर आयोजित है। यहाँ महापौर बहन वनिता सेठ, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री राजेन्द्र पालीवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधियों के साथ पूजा-अर्चना की।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

मनुष्य की जड़ें

चीन में एक छोटा लड़का अपनी दादी के साथ रहता था। दादी ने घर के पास एक सुंदर बगीचा लगा रखा था। एक दिन दादी बीमार हो गईं, तो उन्होंने अपने पोते से कहा कि वह बगीचे की देखभाल करे।अगले दिन जब दादी थोड़ी ठीक हुईं और बगीचे में गईं, तो देखा कि पौधे मुरझाए हुए हैं। उन्होंने हैरानी से पोते से पूछा, 'बेटा, तुमने पौधों को पानी क्यों नहीं दिया?' पोते ने मासूमियत से जवाब दिया, 'दादी! मैंने हर पौधे की पत्तियां अच्छे से पोंछी थीं और उनकी जड़ों में रोटी के टुकड़े भी डाले थे।' दादी मुस्कराईं और बोलीं, 'बेटा, पेड़-पौधे रोटी के टुकड़ों से नहीं, उनकी जड़ों में पानी देने से बढ़ते हैं। बाहरी सफाई से नहीं, अंदर की जड़ों को पोषण देने से जीवन मिलता है।' लड़का थोड़ी देर सोच में पड़ गया। फिर उसने दादी से पूछा, 'दादी, क्या मनुष्य की भी कोई जड़ होती है?' दादी ने कहा, 'हां बेटा, मनुष्य की जड़ उसका 'मन' और 'साहस' होता है। जब हम अपने मन को हर दिन साहस और सकारात्मक सोच से सींचते हैं, तभी हम जीवन में मजबूत बनते हैं।' इस बात का उस लड़के पर गहरा प्रभाव पड़ा। उसने निश्चय किया कि वह अपने मन की जड़ों को साहस और मेहनत से सींचेगा।

सामयिक

नकली दवाइयों का काला कारोबार

रोहित माहेश्वरी

अगर आप डॉक्टर की बताई मात्रा और सही समय पर दवाइयां ले रहे हैं और आपकी तबीयत में सुधार नहीं हो रहा है तो फिर आप जो दवा ले रहे हैं वो नकली हो सकती है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत में हर चौथी दवा नकली है। बुखार, शुगर, ब्लड प्रेशर, पेन किलर से लेकर कैंसर तक की घटिया या नकली दवाएं मार्केट में हैं। कई नामी देसी-विदेशी कंपनियों के नाम की ये दवाइयां बिक रही हैं। हाल ही में उत्तर प्रदेश की ताज नगरी आगरा में नकली दवाओं के बड़े सिंडिकेट का पर्दाफाश हुआ है। जांच में सामने आया है कि पुडुचेरी-चेन्नई में नकली दवाएं बनाकर आगरा में भंडारण कर चार राज्यों में खपाया जा रहा था। औषधि विभाग की टीम ने ऐसी आठ फर्मों की करीब 71 करोड़ की दवाएं सीज की हैं। और तीन दवा कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। सिंडिकेट में 40 दवा विक्रेताओं के शामिल होने के सुराग मिले हैं। दवाओं का काला कारोबार करने के लिए 15 डमी फर्म भी चिह्नित की हैं। इनके नाम पर पर ये कई राज्यों में कारोबार कर रहे थे। दवाओं को मंगवाने और भेजने में ये रेलवे सेवा का उपयोग कर रहे थे। पिछले साल नवंबर में आगरा के शास्त्रीपुरम इलाके में पशुओं की नकली दवाएं बनाने की फैक्ट्री पकड़ी गई थी।

नकली दवाओं का कारोबार का नेटवर्क पूरे देश में फैला है। इंसानों ही नहीं जानवरों की दवाईयां भी नकली बनाई जा रही हैं। इस काले धंधे के तार ऊपर से नीचे तक जुड़े हुए हैं। 1969 से संचालित देश के सबसे बड़े थोक दवा व्यापारिक केंद्रों में शुमार भागीरथी पैलेस पर पिछले तीन वर्षों में दिल्ली औषधि नियंत्रण विभाग और दिल्ली पुलिस ने छापेमारी कर 14 करोड़ से अधिक की नकली दवाएं पकड़ी हैं। खास बात यह है कि इनमें से ज्यादातर नकली दवाएं कैंसर, हृदय, किडनी, डायबिटीज और नसों के रोगों से संबंधित थी, जिन्हें नामी दवा कंपनियों के ब्रांड नाम से पैक कर बेचा जा रहा था। नकली दवाओं की पैकेजिंग, बारकोड-क्यूआर कोड मूल दवाओं जैसे होने से इनके खरीदार झांसे में आ जाते हैं, जिससे मरीजों की जान खतरे में पड़ जाती है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन यानी डब्ल्यूएचओ का दावा है कि दुनिया में नकली दवाओं का कारोबार 200 बिलियन डॉलर यानी करीब 16,60,000 करोड़ रुपये का है। नकली दवाएं 67 फीसदी जीवन के लिए खतरा होती हैं। बची हुई दवाएं खतरनाक भले ही ना हों, लेकिन उनमें बीमारी ठीक करने वाला साल्ट नहीं होता है, जिस वजह से मरीज की तबीयत ठीक नहीं होती है। आखिरकार मर्ज बिगड़ता चला जाता है, जिससे वह मौत के मुंह तक चला जाता है। नकली या घटिया दवाओं के एक्सपोर्ट और इंपोर्ट का भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा बाजार है। एसोचैम की एक स्टडी के मुताबिक, भारत में 25 फीसदी दवाएं नकली या घटिया हैं। भारतीय मार्केट में इनका कारोबार 352 करोड़ रुपये का है।

वर्ष 2024 में तेलंगाना में करोड़ों की नकली या घटिया दवाइयां पकड़ी गईं। तेलंगाना ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन की जांच में खुलासा हुआ कि नामी कंपनियों के नाम से बनी इन दवाइयों में चाक पाउडर या स्टार्च था। इसी तरह अगर कैप्सूल एमोक्सिलिन का है तो उसमें सस्ती दवा पेरासिटामोल भरी हुई थी। इसी तरह 500 ग्राम एमोक्सिलिन साल्ट की मात्रा सिर्फ 50 ग्राम ही थी। कैंसर तक की नकली दवाएं पकड़ी गईं। ये सभी दवाएं उत्तराखंड के काशीपुर और यूपी के गाजियाबाद से कूरियर के जरिए तेलंगाना पहुंची थी। इन दवाओं की पैकिंग इस तरह की गई थी, जो बिल्कुल असली लग रही थीं। इनकी पहचान करना मुश्किल था। उत्तराखंड में पिछले साल कई दवा कंपनियों के सैंपल जांच में खरे नहीं उतरे तो उनका लाइसेंस कैंसल किया गया। यह सभी दवाइयां उत्तराखंड में बन रही थीं। इसी तरह आगरा के मोहम्मदपुर में 2024 में नकली दवा बनाने वाली फैक्ट्री पकड़ी गई। पुलिस ने 80 करोड़ रुपये की नकली दवाएं पकड़ी थीं। इसमें कैंसर, डायबिटीज, एलर्जी, स्लीपिंग पिल्स और एंटीबायोटिक्स दवाएं शामिल थीं। इसी तरह देश के कई राज्यों में छापेमारी कर नकली दवाओं की खेप पकड़ी गई। इससे पहले कोविड-19 के समय भी देश भर में नकली रेमडेसिवीर के इंजेक्शन सप्लाई करने के मामले तक सामने आए थे।

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने भी कई ऑपरेशन में पिछले सालों में दिल्ली-एनसीआर में चल रहे कई सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया। गाजियाबाद के लोनी स्थित ट्रोनिका सिटी में नकली दवाओं का गोदाम पकड़ा, जिसका मास्टरमाइंड एक डॉक्टर निकला। ये सोनीपत के गन्नौर स्थित फैक्ट्री में भारत, अमेरिका, इंग्लैंड, बांग्लादेश और श्रीलंका की 7 बड़ी कंपनियों के 20 से ज्यादा ब्रांड की नकली दवा तैयार कर रहे थे। इंडिया मार्ट और भागीरथ प्लेस तक में इनकी सप्लाई थी। भारत के अलावा चीन, बांग्लादेश और नेपाल में एक्सपोर्ट करते थे। विशेषज्ञों के अनुसार, नामी ब्रांडेड कंपनियों के नाम से ही नकली या घटिया दवाइयां बनती हैं, क्योंकि इसके जरिए जालसाज मोटा मुनाफा कमाते हैं। दूसरी तरफ, जेनेरिक दवाइयों के नकली होने के मामले अभी तक सामने नहीं आए हैं, क्योंकि इन्हें नकली बनाने पर कोई ज्यादा फायदा नहीं होने वाला है। जेनेरिक दवाइयां सस्ती होती हैं, जो उसी तरह का फायदा करती हैं, जिस तरह का लाभ ब्रांडेड दवाइयों से मिलता है। सरकार जेनेरिक दवाइयों को बढ़ावा दे रही है, जो काफी सस्ती होती हैं। इन्हें आप मेडिकल स्टोर और जन औषधि केंद्र से खरीद सकते हैं।

कुछ ऐसी दवाएं हैं, जिन्हें ज्यादा मात्रा में लेने पर नशा होने लगता है। शराब और ड्रग्स से इन दवाओं का नशा काफी सस्ता होने से नशेड़ी इसका इस्तेमाल करते हैं। इस वजह से कफ सिरप, पेन किलर्स, डिप्रेशन पिल्स और मनोरोगियों को दिए जाने इंजेक्शन की खपत बढ़ रही है। इसका फायदा दवा बनाने वाली कंपनियां भी उठा रही हैं, जो एक लाइसेंस पर कई फैक्ट्रियां चलाकर इन्हें धड़ल्ले से बना रही हैं। डिप्रेशन के इलाज के लिए दी जाने वाली गोली का आजकल रेव पार्टियों में काफी इस्तेमाल हो रहा है। यह सही है कि असली की आड़ में नकली दवा का कारोबार पनप रहा है। देखने में यह नकली दवा ब्रांडेड दवा की तरह ही होती हैं लेकिन यह अलग-अलग मटेरियल से तैयार होती हैं। आगरा में दवा माफियाओं ने ब्रांडेड कंपनी की दवाओं के सुरक्षा फीचर में भी सेंधमारी की। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से नकली क्यूआर कोड बनाया। यहां तक कि कंपनी के एक ही बैच नंबर से 1000 गुना तक दवाएं बनाकर बाजार में खपा दीं। इसमें एक ही बिल को बार-बार दर्शाने पर ये खेल पकड़ में आया। नामी कंपनी को जब निर्माण से ज्यादा दवाएं बाजार में मिलने लगीं तब विभाग से इसकी शिकायत की। 3-4 महीने तक रेकी करने के बाद साक्ष्य जुटाए फिर छापा मारा।

नकली दवाओं की बिक्री बेहद गंभीर मामला है, लेकिन अगर आप जागरूक नहीं हैं तो ये आसानी से पकड़ में नहीं आ पातीं। दूसरी सबसे बड़ी वजह है कमजोर निगरानी सिस्टम। कायदे से ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट की ये जिम्मेदारी है कि वह नकली दवाओं की खरीद फरोख्त करने वालों को पकड़ें। लेकिन अमूमन ऐसा कम ही देखने को मिलता है। अगर नियमित तौर पर ये डिपार्टमेंट जांच पड़ताल करे तो नकली दवाएं बेचने वालों की लगाम कसी जा सकती है। नकली दवाएं मरीजों के लिए जानलेवा साबित होती हैं। ऐसे में जरूरी है निगरानी सिस्टम को दुरुस्त किया जाए।

मुद्दा

सरकारी नौकरी के लिए वैवाहिक रिश्ते दांव पर

अमरपाल सिंह वर्मा

हमारा समाज रिश्तों और विश्वास की नींव पर खड़ा है। हम विवाह को एक संस्था और वैवाहिक बंधन को सात जन्मों का बंधन मानते हैं लेकिन अब विवाह का यह बंधन लालच की सीढ़ी बन रहा है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकारी नौकरी पाने के लिए लोग कागजों पर शादी और कागजों पर तलाक का खेल खेल रहे हैं। कभी सामाजिक असुरक्षा और दर्द के प्रतीक माने जाने वाले तलाक को अब नौकरी पाने का साधन बना दिया गया है। यह प्रवृत्ति सिर्क कानून का उल्लंघन नहीं बल्कि समाज के चरमराते ढांचे का भी संकेत है। पहले नौकरी के लिए फर्जी खेल और दिव्यांग सर्टिफिकेट बनाने के मामले सामने आते थे मगर हैरानी की बात है कि राजस्थान में नौकरी पाने के लिए तलाक तक ले लिया जाता है। जिस रिश्ते को हम सात जन्मों का बंधन मानते आए हैं, उसे लोग आज दो फीसदी आरक्षण पाने की सीढ़ी बना रहे हैं। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के पास इस आशय की दो दर्जन से ज्यादा शिकायतें पहुंच चुकी हैं। दरअसल, तलाकशुदा महिला कोटे में उम्मीदवारों की संख्या बहुत ज्यादा नहीं होती, जिससे प्रतिस्पर्धा कम रहती है और कटऑफ भी अन्य श्रेणियों की तुलना में काफी नीचे आ जाती है। इस स्थिति का फायदा उठाने के लिए कुछ महिलाओं ने केवल कागजों पर शादी और तलाक का खेल रच लिया है। कुछ मामलों में दलालों की मदद से भर्ती निकलने से दो-तीन साल पहले जल्दबाजी में शादी कर ली गई, फिर कागजों पर तलाक लिया गया और नौकरी के लिए आवेदन कर दिया गया। दूसरी तरफ कई विवाहित महिलाओं ने सरकारी नौकरी की लालसा में कोर्ट से तलाक की डिक्री हासिल कर ली लेकिन जैसे ही नौकरी लगी, वे फिर अपने पति के साथ रहने लगीं। इन दोनों ही स्थितियों में कागजों पर वे तलाकशुदा हैं लेकिन हकीकत में उनकी जिंदगी वैवाहिक ही रही है। यह सब कुछ कागजों में तो कानूनी है, मगर असलियत में धोखा है। शिकायतें मिलने के बाद कर्मचारी चयन बोर्ड ने पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप को जांच के लिए कहा है। जांच के बाद संभव है कि नौकरियां छिन जाए, मुकदमे भी हों लेकिन बड़ा सवाल यह है कि हमारी सोच कब बदलेगी? इस मामले में वास्तविक चिंता सामाजिक मूल्यों में गिरावट की है। क्या नौकरी का लालच इतना बड़ा हो गया है कि लोग रिश्तों को ही खिलौना बनाकर खेलने लगे हैं? विवाह समाज की मजबूत व्यवस्था है। यह परिवार की बुनियाद और विश्वास का प्रतीक है। लेकिन जब लोग इसे नौकरी पाने का शॉर्टकट बनाने लगें तो हमारी सामाजिक सोच पर प्रश्न उठाने स्वाभाविक हैं। इस तरह से नौकरी हासिल कर फर्जीवाड़ा तो किया ही गया है, साथ ही पात्र महिलाओं का हक भी छीन लिया गया है। तलाकशुदा महिलाओं के लिए 2 फीसदी आरक्षण इसलिए रखा गया है ताकि जो पति से तलाक होने के बाद बेसहारा हो गई हैं, उन्हें नौकरी के जरिये जीवन-यापन में थोड़ी आसानी हो सके। ऐसे मामलों के कारण सबसे ज्यादा नुकसान उन असली तलाकशुदा महिलाओं का हुआ है, जिनके लिए यह तलाकशुदा कोटा बनाया गया था। जो महिलाएं सचमुच संघर्ष कर रही हैं, उन्हें मौका ही नहीं मिल पा रहा क्योंकि कतार में आगे तो वे लोग आ गए हैं जिन्होंने रिश्तों को कागजों पर बेच डाला है। यह मामला बेहद गंभीर है। भविष्य में ऐसा न हो, इसके लिए एहतियात उपाय करने बहुत जरूरी हैं। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दस्तावेजों से आगे जाकर जांच की व्यवस्था हो।

केवल तलाक की डिक्री को पर्याप्त न माना जाए बल्कि आवेदक महिलाओं का सामाजिक स्तर पर सत्यापन, निवास संबंधी प्रमाण और बैंक लेन-देन जैसे साक्ष्यों के आधार पर यह देखा जाना चाहिए कि वह महिला वास्तव में अकेली रह रही है या नहीं। दोषी पाए जाने पर नौकरी छीनने के साथ-साथ आर्थिक दंड और कड़ी सजा का भी प्रावधान किया जाना चाहिए। यह एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर समाज को भी आत्म मंथन करना चाहिए। बड़ा सवाल है कि आखिर हम किस दिशा में जा रहे हैं, जहां सरकारी नौकरी की लालसा रिश्तों और संस्कारों से भी बड़ी हो गई है? फर्जी सर्टिफिकेट और फर्जी तलाक के मामले हमें चेता रहे हैं। अगर हम अब भी नहीं चेते और समय रहते अंकुश नहीं लगाया तो आने वाली पीढ़ियां रिश्तों और मूल्यों पर भरोसा करना छोड़ देंगी। यह सही है कि सरकारी नौकरी जीवन की स्थिरता देती है लेकिन समाज का विश्वास और रिश्तों की गरिमा इससे भी जरूरी है।

नजरिया

विवाहिताओं की मौत का कारण केवल दहेज नहीं

मनोज कुमार अग्रवाल

मोबाइल : 9219179431

हाल ही मे यूपी के ग्रेटर नोएडा के एक इलाके में संदिग्ध परिस्थितियों में हुई एक विवाहिता निक्की की मौत ने एक बार फिर समाज के सामने दहेज के जिन्न को बोतल से बाहर लाकर खड़ा कर दिया है। हालांकि इसी घर में मौजूद निक्की की बड़ी बहन द्वारा जलती बहन को बचाने के स्थान पर रील बनाना और मृतका निक्की द्वारा मृत्यु पूर्व डाक्टर को जलने की वजह सिलेंडर लीकेज बताना मामले को पेचीदा बना रहे हैं। हालांकि बता दें कि आजकल आमतौर पर नी पीढ़ी की लडकियों में परिवार के सास ससुर यहां तक कि पति से समायोजन न कर स्वछंद और बिंदास रोका टोकी विहिन जीवन जीने की मानसिकता के चलते परिवार में तनाव और तलाक के मामलों में वृद्धि हो रही है वहीं इस पीढ़ी में तुनक मिजाजी अवसाद और मनमानी न होने पर आत्महत्या करने की प्रवृत्ति भी देखने को मिल रही हैं। लेकिन सभी मामलों में ऐसा नहीं है। आज जब महिलाएं सभी क्षेत्रों में पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं और कुछ क्षेत्रों में तो पुरुषों से भी आगे निकल चुकी हैं, इसके बावजूद समाज में महिलाओं पर जिस प्रकार की अत्याचार की अमानवीय घटनाएं सामने आ रही हैं, वह सिर्फ निंदनीय ही नहीं है, बल्कि सभ्य समाज के मुंह पर कलंक है। आज भी समाज में कहीं महिलाएं दहेज के लिए जलायी जा रही है, कहीं सम्मान के लिए या विवाद के कारण उनकी हत्याएं की जा रही है। न देश में बलात्कार की घटनाएं कम हो रही है और न ही उनके साथ होने वाली छेड़छाड़ की घटनाएं। पिछले कुछ दिनों के भीतर ही ऐसी कुछ घटनाएं सामने आयी है, जो यह बताने के लिए काफी है कि समानता की बात तो दूर की बात है, समाज में महिलाओं की की स्थिति काफी दयनीय है। उन पर तरह-तरह से अमानवीय अत्याचार और हैवानियत हो रही है।

उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा से हाल ही में सामने आई घटना ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के मेडचल जिले के मेडिपाली थाना इलाके से भी कुछ ऐसी ऐसी ही ही। दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला की उसके पति ने बेरहमी से हत्या कर दी। महिला गर्भवती थी। गर्भवती महिला की हत्या के बाद पति ने उसके शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिए और फिर शव के कुछ टुकड़े छुपा दिए और कुछ नदी में बहा दिए। मृतक महिला की पहचान स्वाति उर्फ ज्योति के रूप में की गई है। मृतक महिला के आरोपी पति का नाम महेंद्र रेड्डी है। जानकारी अनुसार घरेलू विवाद के चलते उसने अपनी गर्भवती पत्नी की हत्या की। पड़ोसियों ने घर से कुछ आवाजें सुनीं और कुछ मिनट बाद अंदर गए तो देखा कि स्वाति का शव टुकड़ों में कटा हुआ और एक बैग में रखा हुआ था। इसके बाद पड़ोसियों ने पुलिस को इस घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और महेंद्र को हिरासत में ले लिया। ऐसी ही एक घटना मध्य प्रदेश के ग्वालियर में भी सामने आयी हैं। यहां दहेज के लालच में ससुराल वालों ने एक महिला पर ऐसे जुल्म ढाए कि जो कोई भी सुन रहा है, उसकी रूह कांप जा रही है। पति और ससुराल वालों ने पहले तो महिला को गर्म चिमटे और डंडों से पीटा और फिर कोल्ड ड्रिंक में जहर मिलाकर पिला दिया। महिला की हालत गंभीर है और उसे इलाज के लिए दिल्ली के के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी अनुसार पीड़िता सोनाली की शादी के बाद से ही उसके ससुराल वाले गाड़ी की डिमांड को लेकर उसे लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। एक महीने पहले, जब उनकी मांग पूरी नहीं हुई, तो पति, सास, ससुर और ननद ने मिलकर इस घिनौनी वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने सोनाली के पिता सतीश शर्मा की शिकायत पर पति समेत चार लोगों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। इस हृदयविदारक घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर कब तक हमारी बेटियां दहेज की बलि चढ़ती रहेंगी? संविधान, कानून और जागरूकता अभियानों के बावजूद दहेज प्रथा आज भी समाज की नसों में जहर की तरह फैली हुई है। भारतीय समाज में विवाह को एक पवित्र बंधन माना जाता है, लेकिन समय के साथ इस पवित्र बंधन को दहेज जैसी कुप्रथा ने कलंकित कर दिया। प्रारंभिक दौर में दहेज 'कन्यादान' के रूप में था, जिसमें माता-पिता बेटी को अपनी हैसियत के अनुसार कुछ उपहार देते थे। परंतु धीरे-धीरे यह उपहार लालच और दिखावे की भेंट चढ़ गया और आज यह ऐसी व्यवस्था बन चुकी है, जिसमें लड़की के परिवार पर भारी आर्थिक बोझ डाला जाता है। भारतीय समाज में दहेज प्रथा एक ऐसी ऐसी कुरीति है, जो न केवल स्त्री के सम्मान और अस्तित्व को चोट पहुंचाती है, बल्कि उसकी जान तक ले लेती है। सरकारी आंकड़े इस भयावह सच्चाई की गवाही देते हैं। हर दिन औसतन 20 महिलाएँ दहेज की वजह से अपनी जान गंवा देती हैं। 22 सालों में लगभग 1.8 लाख महिलाओं की मौत दहेज के कारण हुई। केवल 2018 से 2021 के बीच 34,493 महिलाओं ने अपनी जान गंवाई और वर्ष 2022 में 6,450 महिलाओं की हत्या कर दी गई। इन आंकड़ों से साफ है कि दहेज के खिलाफ कानून बनने और जागरूकता अभियानों के बावजूद हालात में बहुत सुधार नहीं हुआ है। सबसे भयावह स्थिति उत्तर प्रदेश की है, जहाँ अकेले 11,874 महिलाएँ दहेज की बलि चढ़ीं। बिहार में 5,354 और मध्य प्रदेश में में 2,859 महिलाओं की मौत दर्ज की गई। दहेज सिर्फ पैसों या सामान का लेन-देन नहीं है, यह स्त्रियों को दूसरे दर्जे का मानने वाली मानसिकता का हिस्सा है। दरअसल ज्यादातर विवाहिताओं की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में होती है इनमे से अधिकांश सुसाइड के होते हैं लेकिन कानून का लाभ लेने के लिए परिजन ससुराल वालों के खिलाफ दहेज हत्या के मामले दर्ज करा देते हैं पुलिस भी सही जांच करने के स्थान पर खाना पूर्ति कर दहेज हत्या मे चार्जशीट दाखिल कर देती है बाद में अदालत में यह सब मामले साबित नहीं हो पाते हैं और आरोपी बरी हो जाता है। ऐसे मामलों में दोषसिदधी की दर दो फीसदी है। दहेज प्रथा केवल एक सामाजिक बुराई नहीं, बल्कि यह हमारी सभ्यता और संस्कृति पर धब्बा है। ग्रेटर नोएडा और ग्वालियर जैसी घटनाएं हमें याद दिलाती हैं कि यदि समाज की सोच नहीं बदली, तो कानून और अभियान भी अधूरे रहेंगे। अब समय आ गया है कि हम सामूहिक रूप से इस प्रथा के खिलाफ खड़े हों। हर परिवार को यह प्रण लेना होगा कि न तो दहेज देंगे और न लेंगे। जब तक यह संकल्प समाज के हर कोने तक नहीं पहुंचेगा, तब तक बेटियां जलती रहेंगी साथ ही समाज को यह समझना होगा कि इन मौतों के असली कारण को तलाश करने की जरूरत है। वरना कुछ निर्दोष परिवार जेल कचहरी में जीवन तबाह करते रहेंगे और समस्या का सही निवारण नही खोजा जा सकेगा।सही समस्या तक पहुचने के लिए पीड़ित परिवार को पुलिस में सही घटना को बिना लाग-लपेट दर्ज कराना चाहिए आत्महत्या को दहेज हत्या दर्ज कराने से मामले आमतौर पर दोष सिद्ध नही होते हैं बेहतर यह है कि आत्महत्या दर्ज कराएं और आत्महत्या करने के लिए उत्पीड़न व उकसाने के आरोप ज्यो के त्यों दर्ज कराने चाहिए व्यर्थ में कानूनी लाभ के लिए दहेज की मांग के आरोप उचित नहीं है और इसी का परिणाम है कि ये वारदातें बढ़ती जा रही है और सही समाधान की तलाश ही नही की जा रही है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सोमवार को मुंबई में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आवास पर चल रहे गणेश चतुर्थी उत्सव के दौरान भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करते हुए।

बच्चों को फोन की बजाय खेल के मैदान के लिए प्रोत्साहित करें: अरुण लाल

कोलकाता/भाषा। भारत के पूर्व क्रिकेटर अरुण लाल ने राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह के तहत भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के क्षेत्रीय केंद्र द्वारा आयोजित संगोष्ठी में फोन पर स्क्रीन टाइम के चलन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे युवा खेल के मैदान से दूर रहे हैं।

'ग्रासरूट्स टू ग्लोबल पोडियम्स: इंडियाज रोड टू 2036' विषय पर आयोजित सत्र में अरुण ने भारत की ओलंपिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए जमीनी स्तर के खेलों के महत्व पर जोर दिया।

नीता अंबानी ने व्यापार तनाव के बीच न्यूयॉर्क रंगमंच महोत्सव स्थगित किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत-अमेरिका के बीच बढ़ते व्यापारिक तनाव के बीच उद्योगपति मुकेश अंबानी की पत्नी द्वारा संचालित नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र (एनएमएसीसी) ने 'अप्रत्याशित परिस्थितियों' का हवाला देते हुए अगले सप्ताह न्यूयॉर्क में होने वाले रंगमंच समारोह को स्थगित कर दिया है। न्यूयॉर्क शहर में 'एनएमएसीसी इंडिया वीकेंड' नाम से यह कार्यक्रम 12 से 14 सितंबर तक लिंकन सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स में होना था।

एनएमएसीसी ने अपनी वेबसाइट पर एक सूचना में कहा, हमें यह बताते हुए बेहद दुख हो रहा है कि 12 सितंबर को न्यूयॉर्क में होने वाला एनएमएसीसी 'इंडिया वीकेंड' अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण स्थगित कर दिया गया है। ऐसा करने की कोई वजह नहीं बताई गई। इस कार्यक्रम का टिकट खरीदने वालों रिफंड का वादा किया गया है।

सूचना के मुताबिक, कार्यक्रम रद्द नहीं किया गया है, बल्कि यह केवल एक विराम है। हम एनएमएसीसी को बाद में न्यूयॉर्क लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

यह स्थगन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर लगातार किए जा रहे जुबानी हमलों के बीच हुआ है।

पुतिन ने मोदी को अपनी 'लिमोजीन' कार में दी लिफ्ट

तियानजिन/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपनी 'ऑरस लिमोजीन' कार में लिफ्ट दी और दोनों नेता शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय वार्ता स्थल तक साथ पहुंचे।

रूस के राष्ट्रीय रेडियो स्टेशन 'वेस्तीएफएम' की खबर के अनुसार, पुतिन की 'लिमोजीन' से होटल पहुंचने के दौरान रास्ते में दोनों नेताओं के बीच बातचीत जारी रही। होटल में दोनों नेता अपनी अपनी टीम के सदस्यों के साथ एक दूसरे से मिलने वाले थे। हालांकि, होटल पहुंचने पर वे रूसी राष्ट्रपति की लिमोजीन से नहीं उतरे और 50 मिनट तक बातचीत करते रहे।

बाद में, क्रेमलिन' (रूस के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि दोनों नेताओं ने कार में लगभग एक घंटे तक आमने-सामने की बातचीत की।

मोदी ने सोशल मीडिया पर लिमोजीन के अंदर अपनी और रूस के राष्ट्रपति की एक तस्वीर भी साझा की। मोदी ने कहा, एससीओ शिखर सम्मेलन स्थल पर कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद राष्ट्रपति पुतिन और मैं द्विपक्षीय बैठक स्थल पर साथ-साथ पहुंचे। उनके साथ बातचीत हमेशा सार्थक होती है।

मॉस्को में जानकारों का कहना है कि मोदी और पुतिन के बीच शायद यह सबसे महत्वपूर्ण विशेष बातचीत थी, जिसमें उन्होंने संभवतः ऐसे मुद्दों पर चर्चा की जिसकी ''जानकारी किसी और को नहीं हुई''। अपनी द्विपक्षीय वार्ता के दौरान, मोदी ने पुतिन को बताया कि यूक्रेन संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त करना मानवता का आह्वान है। उन्होंने कहा कि मानवता का आह्वान है कि संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त किया जाए और क्षेत्र में स्थायी शांति लाने के तरीके खोजे जाएं।

प्रस्तुति

सोमवार को अहमदाबाद में आगामी नौ दिनों तक चलने वाले नवरात्रि उत्सव के लिए पारंपरिक परिधानों में सजी एक गरबा टोली अपने अभ्यास सत्र के दौरान प्रस्तुति देती हुई।

बच्चों को मेवे न खिलाना हो सकता है नुकसानदायक, मोटापा और एलर्जी को लेकर फैला डर बेबुनियाद

सिडनी। बच्चों और मेवों को एक साथ जोड़ते ही कुछ माता-पिता ऐसे प्रतिक्रिया देते हैं मानो कोई गलत शब्द कह दिया गया हो। ऐसा अक्सर वसा और डर जैसे शब्दों से जुड़ी भ्रांतियों के कारण होता है। कुछ माता-पिता बच्चों को मेवे नहीं देते क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे वजन बढ़ सकता है या फिर यह खतरनाक एलर्जी का कारण बन सकता है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि मेवे बच्चों के लिए फायदेमंद हैं, और उन्हें दूर रखना कई बार नुकसानदायक साबित हो सकता है।

मेवों में मौजूद वसा होती है लाभकारी कम वसा वाले उत्पादों के प्रचार ने वर्षों से यह धारणा बना दी है कि वसा हानिकारक है। लेकिन मेवों में जो वसा होती है, वह असंतृप्त वसा होती है, जो हृदय और पाचन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है तथा शरीर में सूजन को कम करती है। मेवे बच्चों की वृद्धि के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करते हैं, जिनमें ओमेगा-3 फैटी एसिड शामिल हैं जो मस्तिष्क, नसों और दृष्टि के विकास में सहायक होते हैं। साथ ही, ये पॉलीफेनोल्स (एंटीऑक्सीडेंट्स) के भी अच्छे स्रोत हैं, जो कैंसर से बचाव जैसे कई संभावित स्वास्थ्य लाभों से जुड़े हैं।

इनमें मौजूद फाइबर, प्रोटीन और अच्छे वसा पाचन में समय लेते हैं, जिससे बच्चों को अधिक समय तक भूख नहीं लगती और वे अधिक संतुष्ट महसूस करते हैं। शोध में पाया गया है कि मेवों से प्राप्त कुल ऊर्जा का लगभग 20 प्रतिशत शरीर में अवशोषित नहीं होता, फिर भी पेट भरा हुआ लगता है। उच्च फाइबर सामग्री बच्चों की पाचन क्रिया को नियमित रखने में भी मदद करती है।

मेवों को अक्सर वजन बढ़ने से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन शोध बताता है कि मेवे खाने से वजन नियंत्रित रहता है, और इनका सेवन करने वाले बच्चों में मोटापे की आशंका कम होती है। हालांकि, मेवों से एलर्जी की समस्या बढ़ रही है, जिससे माता-पिता चिंतित रहते हैं। लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि बचपन में ही मेवों को भोजन में शामिल करने से एलर्जी का खतरा कम होता है, यहां तक कि उन बच्चों में भी जिनके परिवार में एलर्जी का इतिहास हो। एक अध्ययन में यह पाया गया कि बचपन से मूंगफली खिलाने पर किशोरावस्था में मूंगफली एलर्जी की आशंका 71 फीसदी तक कम हो जाती है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि चार से छह माह की उम्र के बीच, बच्चों को मेवे पेस्ट के रूप में देना शुरू करें जैसे कि 100 फीसदी मूंगफली का मक्खन (स्मूद)। शुरुआत में थोड़ी-सी मात्रा बच्चे के होठों पर लगाकर 30 मिनट तक प्रतिक्रिया देखें। कोई प्रतिक्रिया न हो तो धीरे-धीरे मात्रा बढ़ाई जा सकती है।

शाहरुख ने रानी मुखर्जी ने मिलकर बांटी खुशी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता शाहरुख खान और रानी मुखर्जी को इस साल घोषित किए गए नेशनल फिल्म अवॉर्ड में बेस्ट एक्टर और एक्ट्रेस का पुरस्कार मिला था। सोमवार को दोनों ने मिलकर इसका जश्न मनाया। इसका एक वीडियो शाहरुख खान ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है।

इस वीडियो में दोनों को साथ देख आपको 90 के दशक की याद आ जाएगी जब दोनों साथ काम किया करते थे। रानी और शाहरुख ने 'चलते-चलते', 'कुछ-कुछ होता है', 'वीर जारा' और 'कभी अलविदा ना कहना' जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित दोनों कलाकारों ने शाहरुख के बेटे आर्यन खान की आगामी डेब्यू सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के मशहूर गाने 'तू पहली तू आखिरी' पर एक शानदार रील बनाई है। वीडियो के अंत में शाहरुख और रानी मुखर्जी ने रोमांटिक पोज भी दिया है। इसमें गाने की स्टारकास्ट की झलक भी दिखती है। इसे शेयर करते हुए शाहरुख खान ने लिखा, राष्ट्रीय पुरस्कार पाने की हम दोनों की अधूरी ख्वाहिश पूरी हो गई। बधाई हो रानी, आप सचमुच में एक रानी हैं, मैं हमेशा आपको प्यार करता रहूंगा।

आपको बता दें कि इस साल 1 अगस्त को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का ऐलान हुआ था। इनमें शाहरुख को फिल्म 'जवान' के लिए बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला था। इस फिल्म में नयनतारा, दीपिका पादुकोण और विजय सेतुपति भी थे। वहीं रानी मुखर्जी को फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला था। आर्यन खान की सीरीज का गाना 'तू पहली तू आखिरी' लोगों को पसंद आ रहा है।

इस गाने का संगीत शाश्वत सचदेव ने दिया है। इसके बोल कुमार ने लिखे हैं और अरिजीत सिंह ने इसे अपनी आवाज दी है।

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में बॉबी देओल, लक्ष्य, सहर बंबा, मनोज पाहवा, मोना सिंह, मनीष चौधरी, राघव जुयाल, गौतमी कपूर और रजत बेदी जैसे कलाकार हैं। यह 18 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इसमें सलमान खान सहित कई बॉलीवुड स्टार्स का कैमियो भी है। सीरीज में फिल्म इंडस्ट्री पर व्यंग्य किया गया है।

अभिनेता विपिन शर्मा का विदेश में बजा डंका, हॉलीवुड फिल्म 'मंकी मैन' के लिए मिला अवॉर्ड

मुंबई/एजेन्सी

हॉलीवुड फिल्म 'मंकी मैन' में किन्नर का किरदार निभाने वाले अभिनेता विपिन शर्मा को 'एस्टार अवार्ड्स 2025' से सम्मानित किया गया है। वरिष्ठ अदाकार ने मंच पर इसका श्रेय 'स्लमडॉग मिलियनेयर' के एक्टर देव पटेल को दिया। वेटरन अभिनेता विपिन शर्मा को हाल ही में बैंकॉक में आयोजित एस्टार अवार्ड्स 2025 के उद्घाटन समारोह में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिल्म साइंस एंड आर्ट्स(आईआईएफएसए) ने इस कार्यक्रम को आयोजित किया था। इन पुरस्कारों का उद्देश्य सिनेमा के क्षेत्र में उत्कृष्ट काम करने वालों को सम्मानित करना है। इसमें विभिन्न देशों और संस्कृतियों का प्रतिनिधित्व करने वाले फिल्म निर्माता और कलाकार मौजूद थे। विपिन शर्मा इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान पाने वाले पहले भारतीय अभिनेताओं में से एक बन गए हैं।

विपिन शर्मा ने अवॉर्ड पाने के बाद कहा, पहले ही एस्टार अवार्ड्स में यह सम्मान पाकर मैं सचमुच अभिभूत हूं। मंकी मैन मेरे लिए एक खास सफर रहा है और दुनिया भर के दर्शकों के साथ इस अभिनय को जुड़ते देखना बहुत सुखद है। मैं देव पटेल का भी बहुत आभारी हूं जिन्होंने मुझे एक ऐसी भूमिका दी जिसे मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा, एक ऐसी भूमिका जिसने मेरी जिंदगी बदल दी। इस तरह के पुरस्कार हमें सिनेमा की सीमाओं को पार करने और लोगों को जोड़ने की शक्ति की याद दिलाते हैं, और मैं इस पल का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। फिल्म 'मंकी मैन' को अभिनेता देव पटेल ने डायरेक्ट किया था। बतौर निर्देशक यह उनकी पहली फिल्म थी। इसे भारत में रिलीज नहीं किया गया था।

पुलिस स्टेशन में भूत में दिखेगी रोमांचक हॉरर कॉमेडी

मुंबई/एजेन्सी

लगभग तीन दशक बाद इतिहास रचने वाली फिल्म सत्या के बाद, निर्देशक राम गोपाल वर्मा और अभिनेता मनोज बाजपेयी एक बार फिर साथ आ रहे हैं इस बार एक दिलचस्प हॉरर कॉमेडी पुलिस स्टेशन में भूत के लिए। इस अनोखे सिनेमाई प्रयोग में मनोज के साथ जुड़ रही हैं जेनेलिया डिसूज़ा, जिससे इस प्रोजेक्ट को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है और पहला शेड्यूल भी पूरा हो गया है, जो डर, व्यंग्य और आरजीवी की खास कहानी कहने की शैली के संगम से एक रोमांचक सफर की झलक दिखाता है। फिल्म के मूल में एक ऐसा सवाल है जो सुरक्षा की धारणा को पूरी तरह उलट देता है: जब हम डरते हैं तो पुलिस स्टेशन भागते हैं लेकिन जब पुलिस डर जाए, तो वो कहां भागेगी?

फिल्म के बारे में बात करते हुए राम गोपाल वर्मा ने कहा: सत्या के बाद मनोज के साथ फिर से काम करना एक साथ ही नॉस्टैल्जिक और रोमांचक है। डर तब सबसे ज्यादा खौफनाक हो जाता है जब वह सुरक्षा की सबसे बड़ी सत्ता को चुनौती देता है, और पुलिस स्टेशन शक्ति का वही अंतिम प्रतीक है। मनोज की तीव्रता और जेनेलिया की मासूमियत के साथ यह कहानी उस सीमा को तोड़ेगी।

'जॉली एलएलबी 3' के ट्रेलर लॉन्च को लेकर छिड़ी मजेदार बहस

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्म जॉली एलएलबी 3 को लेकर दर्शक खासे उत्साहित हैं। फिल्म में अक्षय कुमार और अरशद वारसी अपनी यादगार भूमिकाओं में नजर आएंगे, जो जॉली एलएलबी 'ब्रांड' की खास पहचान बन चुकी है। ट्रेलर को लेकर मेकर्स ने एक दिलचस्प तरीका अपनाया है, जो सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है। उन्होंने एक मजेदार वीडियो पोस्ट किया, जिसमें यह तय करने की बहस चल रही है कि ट्रेलर कहां लॉन्च होगा... कानपुर में या मेरठ में। इस बहस का तरीका कुछ ऐसा है कि दोनों शहरों की खूबियां और स्वाद वीडियो में बड़े ही मजेदार अंदाज में पेश किए गए हैं। वीडियो में अक्षय कुमार कानपुर की तारीफ करते हुए कहते हैं कि कानपुर के ठग्गु के लड्डू, बदनाम कुल्फी, लुच्ची सब्जी, सुल्तानी दाल, मट्ठा, चाट और इमरती जैसे स्वाद चखने का मजा कानपुर में ही आता है। वह बताते हैं कि अगर आपको ये स्वाद लेना है तो 'जॉली एलएलबी 3' का ट्रेलर कानपुर में लॉन्च होना चाहिए। वहीं दूसरी ओर, अरशद वारसी मेरठ के पक्ष में खड़े हैं और जोर देते हैं कि ट्रेलर मेरठ में लॉन्च होना चाहिए। दोनों की इस बहस को देखने में दर्शकों को काफी मजा आ रहा है।

इस बीच, जज की भूमिका निभा रहे सौरभ शुक्ला इस बहस को रोकते हुए कहते हैं कि अगर वे दोनों को और सुनेंगे तो शायद हथौड़े का गलत इस्तेमाल कर बैठेंगे। वे कहते हैं, ''अगर मैंने इन दोनों को थोड़ी देर और सुना, तो मैं इस हथौड़े का गलत इस्तेमाल कर बैठूंगा भाईसाब। इसलिए आप तय करके बता दो कि फिल्म का ट्रेलर कहां लॉन्च होना चाहिए, कानपुर में या मेरठ में?'' 'जॉली एलएलबी 3' की बात करें तो यह फिल्म अपनी पिछली दोनों फिल्मों की तरह एक मजेदार और सामाजिक मुद्दों पर आधारित कहानी लेकर आ रही है। फिल्म में अक्षय कुमार और अरशद वारसी के अलावा सौरभ शुक्ला, हुमा कुरैशी, अमृता राव, और गजराज राव भी अहम किरदार निभा रहे हैं। इस बार भी फिल्म की कहानी में न्याय व्यवस्था के मजेदार पहलुओं को बड़े ही हल्के-फुल्के और मनोरंजक अंदाज में दिखाया जाएगा। सुभाष कपूर के निर्देशन में बनी यह फिल्म 19 सितंबर 2025 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।

फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' के टाइटल ट्रैक से इंटरनेट पर धूम मचाई

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' का टाइटल ट्रैक 'दीवानियत', जिसे विशाल मिश्रा ने गाया है, इंटरनेट पर काफी लोकप्रिय हो गया है। हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा अभिनीत इस फिल्म का टीज़र हाल ही में रिलीज़ हुआ था, जिसने दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। यह गाना म्यूज़िक लेबल प्ले डीएमएफ के संस्थापक अंशुल गर्ग का बतौर निर्माता पहला फिल्मी गीत है। उन्होंने पहले भी कई हिट गाने दिए हैं। 'दीवानियत' गाने से पहले, विशाल मिश्रा और अंशुल गर्ग की जोड़ी ने 'मांझा' जैसे सफल गाने दिए हैं। गाने के पूरी तरह से रिलीज़ होने से पहले ही, यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और इसके कई फैन एडिट्स बन रहे हैं।

इस गाने को मिली ज़बरदस्त प्रतिक्रिया पर अंशुल गर्ग कहते हैं, दीवानियत मेरे लिए बहुत खास है, क्योंकि यह बतौर फिल्म निर्माता मेरा पहला गाना है। रिलीज़ से पहले ही जो प्यार मिला है, वो बेहद खास है। दर्शकों का यह उत्साह दिखाता है कि कहानी को कहने में संगीत कितना महत्वपूर्ण है। मुझे यकीन है कि जब दर्शक पूरा गाना सुनेंगे तो इसे और भी पसंद करेंगे।

विशाल मिश्रा भी अंशुल से सहमत हैं। वे कहते हैं, मैंने बहुत सारे फिल्मी गाने गाए हैं, लेकिन बहुत कम गानों को रिलीज़ से पहले इतना प्यार मिला है। 'दीवानियत' को मिला प्यार ही सब कुछ कह देता है। अब मैं दर्शकों के पूरे गाने को सुनने और उनकी प्रतिक्रिया जानने का इंतज़ार कर रहा हूँ। मिलाप मिलन ज़वेरी द्वारा निर्देशित और राघव शर्मा के सह-निर्माण में बनी 'एक दीवाने की दीवानियत' एक गहरी प्रेम कहानी है। यह फिल्म इस दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रैली

सोमवार को कोलकाता में वामपंथी दलों द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शांति और एकजुटता दिवस पर साम्राज्यवाद और फासीवाद के खिलाफ विशाल रैली निकाली।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | मंगलवार | 02-09-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब तक इंसान छद्मस्थ है तब तक उसके जीवन में भूल होने की पूरी संभावना है वीतरागता की भूमिका में पहुंचने के बाद ही जीवन निर्दोष होता है। गत वर्ष में किसी के प्रति हुए अप्रिय व्यवहार के लिए क्षमा याचना करने से आत्मा हल्कापन महसूस करती है इसलिए क्षमा याचना हृदय पूर्वक की जानी चाहिए। बगैर सरलता और स्पष्टता के केवल रिवाज और रूढ़ि के तौर पर क्षमापना करना नाटक के सिवाय और कुछ भी नहीं है क्षमा का आदान प्रदान हार्दिकता से करना चाहिए।

आगम विधान जिससे खुद को सुरक्षित कर सकते हो : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा. के सानिध्य में पाँच दिवसीय आगम विधान का शुभारंभ हुआ। अवसर पर प्रवचन देते हुए मुनिजी ने कहा कि आगम विधान वह शक्ति है, जिससे हम स्वयं को और अपने परिवार को सुरक्षित कर सकते हैं। उन्होंने इसे जीवन की सुरक्षा बेल्ट बताते हुए कहा कि इसका प्रभाव अत्यंत गहरा और परिणामकारी होता है। प्रवचन के दौरान मुनिजी ने परदेशी की कथा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि यदि परदेशी जैसे हिंसक राजा को धर्म की ओर मोड़ा जाए तो केवल राजा ही नहीं बदलेगा, बल्कि उसके साथ पूरी नगरी, समूचा वातावरण, पशु-पक्षी और प्रजा सब बदल जाएँगे। जिस राज्य का राजा गलत राह पर होता है, वहाँ प्रजा दुखी होती है, साधु-संत भी पीड़ा महसूस करते हैं, लेकिन कोई उसके सामने कुछ कह नहीं पाता क्योंकि वह राजा है। यही कारण है कि जब राजा का सोचने का ढंग गलत हो, तब पूरा राज्य पाप में डूब जाता है।

मुनिजी ने समझाया कि अक्सर घरों में शांति की धुन बजनी चाहिए, लेकिन वहाँ प्रतिस्पर्धा और कलह की धुन सुनाई देती है। यह सोचकर राजा मान लेता है कि उसका हर निर्णय सही है, जबकि वह पूरी तरह गलत राह पर चल रहा होता है। इस मौके पर उन्होंने चार कारण बताए जिनसे लोग जिनवाणी और धर्मवाणी से दूर हो जाते हैं – पहला, संतों के पास कभी न जाना। दूसरा, संतों की सेवा जैसे गोचरी, पानी आदि कार्यों में नही रहना, वह धर्म सुनने से वंचित रहता है। तीसरा, सामने देखकर भी चुप जाना। चौथा, जिज्ञासा न रखना।

उन्होंने कहा कि जब तक धर्म को सुनने और समझने की जिज्ञासा नहीं होगी, तब तक आत्मिक विकास संभव नहीं है। धर्म में आने से ज्ञान बढ़ता है, बुद्धि का विकास होता है और जीवन की दिशा सकारात्मक बनती है। युवाओं से संवाद करते हुए मुनिजी ने कहा – धर्म से आपको हमेशा कुछ न कुछ सीखने को ही मिलेगा, इसमें कभी भी नुकसान नहीं होता, बल्कि हर बार ज्ञान ही बढ़ता है। इस अवसर पर मीठालाल पगारिया, अशोक कोठारी, शांतीलाल सिंघवी, दिलीपचंद कोठारी, धर्मीचंद लुकड़, महावीरचंद कोठारी सहित अनेक श्रावक-श्राविकाएँ उपस्थित रहे। मंच संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

ज्ञापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में विधायक एवं अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता एसपी वेलुमणि ने जिला कलेक्टर पवनकुमार से मिलकर एक ज्ञापन सौंपा। याचिका में कोयंबटूर ज़िले के वन क्षेत्र से सटे कृषि भूमि और पहाड़ी गाँवों में जंगली जानवरों के प्रवेश को रोकने और किसानों व आम जनता को जंगली जानवरों से बचाने का अनुरोध किया गया है।

श्रद्धा, आस्था का करे विकास : साध्वी उदीतयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां आचार्य महाश्रमण की शिष्या साध्वी उदितयशाजी म.सा. के सान्निध्य में तेरापंथ भवन साहूकारपेट में 32वें विकास महोत्सव का आयोजन किया गया। नमस्कार महामंत्र समुच्चारण के साथ शुभारंभ कार्यक्रम में समुपस्थित धर्म परिषद को सम्बोधित करते हुए साध्वी उदितयशा ने कहा कि तेरापंथ धर्मसंघ सदैव विकास के मार्ग पर अग्रसर रहा है। सभी आचार्यों ने मौलिकता को सुरक्षित रखते हुए विकास के नव आयामों का सृजन किया।

नवमाधिशास्ता आचार्य तुलसी ने युगानुरूप धर्मसंघ को अनेकानेक आयाम दिए। श्रावक समाज की संगठनात्मक विकास के लिए अनेकों संस्थाओं का गठन किया। वही सामाजिक उत्थान के लिए अणुव्रत, रूढ़ि उन्मूलन इत्यादि आन्दोलन का सूत्रपात किया। आचार्य तुलसी ने योजनाओं की संयोजना की, आयोजन को प्रयोजन सिद्ध करने वाला बनाया। साध्वीश्री ने विशेष पाथेय प्रदान कराते हुए कहा कि हम अपने भीतर श्रद्धा, आस्था का विकास करे। संघ सेवा के अवसर पर व्यक्तिगत कार्यों का भी संशोधन करे, कभी-कभार गौण भी करे। हम अपनी निजी साधना में भी आगे बढ़े, विकास करे। साध्वीश्री ने गुरुदेव की अनुज्ञा से सुश्रावक माणकचंद रांका को श्रावक की पांचवी प्रतिमा 'कार्योत्सर्ग पणिमा' का संकल्प दिलवाया। सभाध्यक्ष अशोक खतंग नेअपने विचार व्यक्त किए।

'सुशासन वही जहां किसी के प्रति अन्याय नहीं, सबके प्रति न्याय हो'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में सोमवार को जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वर जी ने कहा कि राजा और प्रजा के अपने-अपने कर्तव्य होते हैं। दोनों की मर्यादाएं होती हैं। पुण्य के प्रताप से कोई राजा बनता है। प्रजा उसके शासन में सुख-शांति से जीने की अभिलाषा रखती है। भेदभाव और अन्याय राजा की अयोग्यता व दुर्भाग्य के सूचक हैं। ऐसे राजा को प्रजापालक नहीं कहा जा सकता। गुणों से राजा यशस्वी बनता है, लेकिन गुणहीन या अवगुणी को इतिहास में कलंक के रूप में देखा जाता है। लोकतंत्र का यह कमजोर और विषमतापूर्ण पक्ष है कि यहां एक तिहाई लोगों के समर्थन से भी कोई राजा बन जाता है, सत्ता पर काबिज हो जाता है। लोकतंत्र में गुण महत्वपूर्ण नहीं होते, वोट महत्वपूर्ण होते हैं।

गिनती में गुणवान यदि पिछड़ जाता है तो वह रंक बन जाता है और गिनती में यदि अवगुणी आगे रहता है तो वह राजा बन जाता है। ज्ञजैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि जाति, भाषा, प्रांत और संप्रदायों का भेदभाव इतना जहरीला होता है कि वह न्याय, नीति, मानवता और कर्तव्य का बोध कभी नहीं होने देता। इनके बलबूते पर अयोग्य भी सत्ता की योग्यता प्राप्त कर लेते हैं। नीति शास्त्र कहता है कि अयोग्य के पास आयी हुई सत्ता, सामर्थ्य और शक्ति सदैव लोगों के शोषण तथा उत्पीड़न का ही काम करती है। कमोबेश हम अपने देश के अनेक प्रांतों में और विश्व के अनेक देशों में यही स्थिति देख रहे हैं।

अग्रवाल सभा चेन्नई के गोयल अध्यक्ष गुप्ता सचिव मनोनीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीताराम गोयल एवं बालगोविन्द्र गुप्ता

चेन्नई। यहां अग्रवाल सभा चेन्नई के नए अध्यक्ष सीताराम गोयल एवं सचिव बालगोविंद गुप्ता मनोनीत किए गए है। दो वर्ष के कार्यकाल के लिए दोनों पदाधिकारियों को निर्विरोध मनोनीत किया गया है।

चुनाव अधिकारी राम अवतार रुंगटा और डा. गौरव सिंघल के नेतृत्व में चुनाव संपन्न होने थे, परंतु सभी पदों पर निर्विरोध की स्थिति बनी और बिना चुनाव के पदाधिकारी मनोनीत किए गए।

इस प्रकार 2025-27 के लिए अध्यक्ष सीताराम गोयल के अलावा दो उपाध्यक्ष पवन कुमार अग्रवाल हितेष कनोडिया, महासचिव बालगोविन्द गुप्ता, सचिव मनोज गोयल व कोषाध्यक्ष अमित तुलसियान को चुना गया है।

महर्षि दधीचि जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माँ दधिमती सेवा धाम के तत्वावधान में सृष्टी के प्रथम देह दानी महर्षि राज दधीचि जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। महोत्सव में सुबह महर्षिराज का अभिषेक, अर्चना एवं आरती हुई। जयघोषों के बीच महर्षि राज द्वारा सृष्टि कल्याण हेतु किए अपने देह का दान भावना से प्रेरित होकर सभी को कुछ ना कुछ त्याग भावना रखने की प्रेरणा दी गई। दोपहर श्री दधिमती महिला मंडल द्वारा माँ दधिमाति का मंगलपाठ किया गया और भजनों की प्रस्तुति मां चरणों में समर्पित की गई। संध्या आरती और महाप्रसादी के साथ महोत्सव संपन्न हुआ। महोत्सव में धाम के न्यासी रघुनाथ हिंसोड़िया, वेंकटेश दाहिमा, लक्ष्मीनारायण काकड़ा, अध्यक्ष विनोद व्यास, मंत्री नारायण दाहिमा, शिवपाल मिसर, रामपाल मिसर, कमल तिवारी, नवरत्न व्यास, मुकेश पलोड, ओमप्रकाश मिसर, गिरधारी सूँठवाल, सुरेंद्र इंटोडिया, पवन रिनवा, किशन तिवारी सहित कई सदस्यों ने भाग लिया।

प्राणी मात्र के प्रति अपनत्व की भावना शिष्टाचार की निशानी : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम स्थित छाजेड भवन में विराजित श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने सोमवार को प्रवचन के दौरान कहा कि जीवन निर्वाह की कला का ज्ञान तो सृष्टि के प्राणी मात्र को हासिल है मगर जीवन निर्माण की कला का ज्ञान तो सिर्फ मनुष्य जीवन में ही संभव है। मानव जीवन में शिष्टाचार और सदाचार का बहुत बड़ा महत्व है। व्यवहार की मृदुता और आचरण की पवित्रता आध्यात्मिक विकास और आत्मिक प्रसन्नता का मूलाधार है। मनुष्य समाज की एक इकाई है इस नाते सामाजिक मर्यादा व नियमों का निष्ठा पूर्वक पालन करना चाहिए। सभी जीवों को अपनी आत्मा के समान समझ कर ऐसा व्यवहार करे जिससे किसी को खेद न हो और अपनत्व व आत्मीयता की भावना का मन में जागरण हो। हम जैसा व्यवहार दूसरे के साथ करेंगे, वैसा ही व्यवहार दूसरा भी हमारे साथ करेगा। दूसरे से अच्छे व्यवहार की उम्मीद करने से पहले हमें दूसरों के प्रति शालीन व्यवहार करना चाहिए। जीवन के यात्रा पथ को निर्विघ्न व सुखद बनाने में अपना मधुर व्यवहार महती भूमिका निभाता है। सत्य संभाषण करना, किसी के अधिकार को न छीनना, किसी को दुख न देना, प्राणी मात्र के अस्तित्व को सहर्ष सम्मान पूर्वक स्वीकार करना तथा नैतिक मूल्यों की रक्षा करना ही पवित्र व्यवहार व शिष्टाचार की पहचान है।

अध्यक्ष अमरचंद छाजेड ने बताया कि इस मौके पर हुक्मीचंद कोठारी, ताराचंद दुगड़,शांतिलाल संकलेचा, विजयकुमार कोठारी, अशोक रांका, नीलमचंद छाजेड, महावीरचंद तालेड़ा, सन्तोष सुराणा, निर्मल मुणोत, दिनेश सिंघवी, सुनील ललवानी आदि सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे। सभा का संचालन संघ के मंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

एकल के दो रक्तदान शिविर में 386 यूनिट रक्त का हुआ संग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एकल युवा द्वारा रविवार को अशोका पिल्लर स्थित अग्रसेन भवन व कोटेगेपाल्या में मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें अग्रसेन भवन में रक्तदान करने वालों द्वारा 271 यूनिट और कोटेगेपाल्या से 115 यूनिट अर्थात कुल 386 यूनिट रक्तदान हुआ।

शिविर का शुभारंभ अग्रसेन भवन में वन बंधु परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश माहेश्वरी, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष त्रिभुवन काबरा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमेश अग्रवाला, वन बंधु परिषद साउथ जोन के सचिव बिमल सरावगी, बेंगलूरु चैप्टर के संरक्षक मुरारीलाल सरावगी, सुरेन्द्र गोयल, चैप्टर के अध्यक्ष हाथीमल बैद तथा सचिव वैभव गुप्ता द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस शिविर में 12 ऐसे वरिष्ठ रक्तदाता भी शामिल हुए जिन्होंने अब तक 50 से अधिक बार रक्तदान किया है। इस शिविर की सबसे बड़ी विशेषता रही कि महिलाओं ने बढ़-चढ़कर रक्तदान में भाग लिया। शहर के चार प्रमुख ब्लड बैंक एस्टर, अपोलो, नारायण हेल्थ ब्लड बैंक और संकल्प इंडिया फाउंडेशन ने अपनी सेवाएं दी और इस मेगा रक्तदान शिविर में इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन(कर्नाटक यूथ विंग), राष्ट्रीय प्रजा प्रभुत्व सेना, खण्डेलवाल यूथ विंग, किल्लारी रोड ट्रेड एसोसिएशन, रावणा राजपूत समाज ट्रस्ट, गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज कर्नाटक, गौड़ ब्राह्मण संघ तथा मारवाड़ी युवा मंच, बेंगलूरु शाखा सहयोगी थे।

'प्रवचन ही सबसे बड़ा स्वाध्याय, आत्मा को अमृत तुल्य देशना'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में चातुर्मासार्थ विराजित पंन्यास प्रवर विमल पुण्यविजयजी म.सा. ने सोमवार को समकित के '67 बोल' ग्रंथ के छठे अधिकार सम्यक्त्व की शुद्धि पर प्रवचन देते हुए धर्मकथी के महत्व का गहन विवेचन किया। उन्होंने कहा कि सच्चा प्रभावक वही है जो अहंकार रहित होकर जिनशासन की प्रभावना करता है। तप, धर्म, वैराग्य, ज्ञान और साधना से प्रभावित होकर जब आदर्श रूप में धर्म का प्रचार होता है, तभी धर्म की पुष्टि होती है। मुख की वाणी केवल कान को स्पर्श करती है, परंतु हृदय की वाणी हृदय को स्पर्श करती है। पंन्यास महाराज ने समझाया कि प्रवचन ही आत्मा को सुनाने का माध्यम है। श्रोता को लाभ हो या न हो, वक्ता स्वयं अवश्य लाभान्वित होता है। जिनवाणी का एक अक्षर भी मोह का नाश करने में समर्थ है। उन्होंने कहा कि चार पुरुषार्थों काम, अर्थ, धर्म और मोक्ष में मोक्ष ही प्रमुख है। भौतिक सुख क्षणिक है, जबकि आत्मिक सुख शाश्वत है। समकिती आत्मा भले मोक्ष को प्रत्यक्ष न देख सके, परंतु सच्ची श्रद्धा से उसका अनुभव कर सकती है।

पंन्यास प्रवर ने स्पष्ट किया कि सच्चा धर्मकथी वही है, जिसकी देशना मोह का नाश कर हृदय को आनंद और संशय से मुक्ति दे। कहानियों या अनुभवों से यदि श्रोता में नैतिकता जागे, तो वही धर्मकथा सार्थक है। पोते-पोतियों को भी धर्मकथा सुनाने वाले भी वास्तव में धर्मकथी कहलाते हैं। उन्होंने जिनालय और जिनागम दोनों की साधना को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि जैसे मंदिर की शुद्धि का महत्व है, वैसे ही ज्ञान की शुद्धि का भी महत्व है। मंदिर दर्शन के साथ ज्ञान की उपासना भी जीवन का अंग बननी चाहिए। अंत में गुरुदेव ने कहा कि वक्ता बनने से पहले आत्मा को अमृत रूपी ज्ञान का प्रभावक बनना आवश्यक है। लेखन, चिंतन और धर्मकथा सभी आत्मा को पवित्र करने के साधन हैं।

शाश्वत सिद्धांतों के साथ छेड़छाड़ न करें : कमलमुनि 'कमलेश'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट स्थित जैन भवन में राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी 'कमलेश' म. सा. ने सोमवार को अपने प्रवचन में कहा कि धर्म के शाश्वत सिद्धांतों के साथ अपने स्वार्थ के लिए छेड़छाड़ करना, गलत रूप में प्रस्तुत करना, मूल स्वरूप को नष्ट करना, उज्ज्वल इतिहास को नष्ट करने और महापुरुषों के मुंह पर कालिमा पोतने जैसा काम कर रहा है, अक्षम्य अपराध है।

उन्होंने कहा कि संत तुलसीदास जैसे महान पुरुष करुणा और प्रेम के सागर, प्राणी मात्र को सम्मान देने वाले महान संत थे। उन्होंने कहा कि रामायण की चौपाई में ढोल, गंवार, पशु, की तुलना नारी से की गई है। इस प्रकार की कल्पना वह सपने में भी नहीं कर सकते। यह वाक्य तुलसी जी के नहीं हो सकते। उनको बदनाम करने के लिए षड्यंत्र रचा गया है उसमें परिवर्तन होना चाहिए। मुनि कमलेश ने बताया कि जिन जिन लोगों के हाथों में धर्म आया उन्होंने अपनी बपौती मानना चालू कर दिया। अपनी कुर्सी और नेतागिरी के लिए बाकी लोगों के दरवाजे बंद कर दिए।

राष्ट्रसंत ने कहा कि जो अनीति बुराई के मार्ग पर चलता है उसे कुरान में काफिर, हिंदू धर्म में नास्तिक जैन धर्म के अंदर मिथ्यात्व,और सिख धर्म में तन्खाईया, के नाम से पुकारा गया है काफिर वह नहीं जो अल्लाह और इस्लाम अथवा अन्य धर्म को नहीं मानता बल्कि काफिर वह है जो जुल्म और अन्याय करता है नफरत फैलाता है। सभी धर्म गुरुओं को आपस में मिलकर धर्म के मूल सिद्धांतों सत्य अहिंसा करुणा प्रेम को सही रूप में प्रस्तुत करना शुरू कर देंगे। तब सद्भावना का प्राणी मात्र संचार हो जाएगा, स्वत विश्व शांति स्थापित हो जाएगी।

अंत में उन्होंने कहा कि धर्म और सिद्धांतों का सही स्वरूप नहीं जानने के कारण ही धर्म के नाम पर कट्टरता अपनाने पर अभिनंदन किया जाता है। और उदारता की बात करने वाले को दंडित किया जाता है। मानव आज मानव खून का प्यासा बन गया है। जितना नरसंहार युद्ध से नहीं हुआ उतना धर्म के नाम पर हो रहा है। अखिल भारतीय जैन दिवाकर विचार मंच नई दिल्ली वेस्ट बंगाल शाखा के पुष्पा विमल जैन ने मानवीय समरसता पर जोर दिया। तपस्वी सक्षम मुनि जी के 19वां उपवास है। कौशल मुनिजी, घनश्याम मुनिजी, अक्षत मुनिजी ने सभा को संबोधित किया।

जरूरतमंदों को सहायता कर 'अनुकम्पा कार्य'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु (रजत) के अनुकम्पा कार्यक्रम के तहत गत दिनों किलपाक स्थित अन्नाई टेरेसा वृद्धाश्रम में दवाओं का वितरण और अल्पाहार परोसा गया। साथ ही वृध्दाश्रम में एक जादू शो अमित सयानी ने किया तथा अमिता बोथरा ने साँस लेने के व्यायाम बताया।

जिसका सभी वृद्धों ने भरपूर आनन्द लिया।

इस नेक कार्य में पहल करते हुए केवलचंद, जवाहरलाल, रमेश, तुषार खटोड़ किलपॉक (निर्माता मल्टीडेक ड्रॉप्स सिरप और कैप्सूल) का अर्थ सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष नरेन्द्र श्रीश्रीमाल के नेतृत्व में अनुकम्पा चेयरमैन अजीत चोरड़िया, सहचेयरमैन ज्ञानचन्द कोठारी, रमेश खटोड़, सरिता खटोड, असकरण कोटेचा, सुमेर बैद, हस्ती भंडारी एवं समर्पित कार्यकर्ता कर्मचारी मोहन का सहयोग रहा।

विकास पुरुष थे आचार्य तुलसी : साध्वी पुण्ययशा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के आरआर नगर स्थित तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी पुण्ययशाजी के सान्निध्य में विकास महोत्सव का आयोजन हुआ। इस मौके पर साध्वीश्री ने कहा कि ज्ञान, दर्शन, चरित्र से संघ का विकास शिखर पर चढ़ा है। तेरापंथ के आचार्यों ने विकास का सुदीर्घ इतिहास बनाया जिसमें आचार्य तुलसी ने अनेक अवदान दिए। उन्होंने कहा कि आचार्य तुलसी ने अपने वक्तत्व, कर्तृत्व से संघ को जो दिया उसे सैंकड़ों शताब्दियों तक भी नहीं भुलाया जा सकता है। कार्यक्रम में मंगलाचरण साध्वी वर्धमानयशाजी ने किया।

साध्वी बोधिप्रभा जी ने अपने विचार व्यक्त किए। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़, पूर्वाध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, तेयुप के महेश मांडोत, महिला मंडल की पूर्व अध्यक्षा लता बाफना ने अपने भाव प्रस्तुत किए। तपस्वी राजेश छाजेड़ के और विपुल पितलिया का सम्मान किया। संचालन साध्वी विनीतयशाजी ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.